घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 51- रविवार 21- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

संक्षिप्त समाचार

मशहूर एक्टर-डायरेक्टर श्रीनिवासन का निधन...

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2025। केरल के कोच्चि में नामी मलयालम एक्टर, डायरेक्टर और स्क्रीन राइटर श्रीनिवासन का शनिवार सुबह एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। श्रीनिवासन 69 साल के थे। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों ने बताया कि उन्हें शुक्रवार रात त्रिपुनिथुरा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। कन्नूर के रहने वाले श्रीनिवासन पिछले कई सालों से कोच्चि में रह रहे थे। एक्टिंग के अलावा उन्होंने डायरेक्टर, स्क्रीन राइटिंग, डबिंग आर्टिस्ट और प्रोड्यूसर के रूप में भी काम किया। उन्होंने 200 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने 1976 में फिल्म मणिमुझक्कम से अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके दोनों बेटे, विनीत श्रीनिवासन और ध्यान श्रीनिवासन भी फिल्म एक्टर हैं।

दिल्ली में वाहन लेकर प्रवेश करने वालों पर लगा 20-20 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2025। दिल्ली

में सर्दियों के शुरू होते ही वायु प्रदूषण फिर से चिंता का कारण बन गया है। राजधानी की हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) लगातार गंभीर और अति-गंभीर स्तर पर बनी हुई है, जिससे बाहर सांस लेना मुश्किल हो गया है। खासकर बच्चे,बुजुर्ग,गर्भवती महिलाएं और सांस की बीमारी से ग्रसित लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं, जिनमें वाहनों पर सख्त निगरानी भी शामिल है। पहले दिन ही 10 वाहनों पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया और उन्हें वापस भेजा गया। हालांकि कुछ मामलों में पुलिस ने जुर्माना माफ कर दिया, खासकर उन लोगों के लिए जो इतनी राशि नहीं चुका सकते थे। कालिंदी कुंज पर भी उन वाहनों की निगरानी की जा रही थी जिनके पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र नहीं था। अभी दिल्ली में एक्यूआई गंभीर कैटेगरी में है, जिसका मतलब है कि अगर जरूरी न हो तो घरों के अंदर रहना ही सुरक्षित है।

बंगाल में 'महाजंगल राज' खत्म करेंगे टीएमसी के कारण विकास रुका : पीएम मोदी

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए राज्य की मौजूदा स्थिति को 'महाजंगल राज' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण पश्चिम बंगाल का विकास ठप पड़ा है और तृणमूल सिर्फ भाजपा का विरोध करने के लिए आम लोगों को पीड़ा झेलने पर मजबूर कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोलकाता एयरपोर्ट से नादिया जिले के राणाघाट में आयोजित कार्यक्रम को फोन से वर्चुअली संबोधित किया। मोदी ने कहा- ऐसा नहीं है कि बंगाल के विकास के लिए पैसों की कमी है, लेकिन यहां की सरकार सिर्फ कमीशनखोरी में लगी रहती है। पीएम ने कहा- आज भी बंगाल में हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट अटके हुए हैं। मैं बंगाल की जनता के सामने अपनी पीड़ा रखना चाहता हूं। टीएमसी को मोदी का विरोध करना है तो करे, 100 बार करे, हजार बार करे। लेकिन मैं ये नहीं समझ पा रहा हूं कि बंगाल के विकास को क्यों रोका जा रहा है। पीएम ने अपने संबोधन से पहले करोड़ के नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन भी किया।

मोदी का आरोप...टीएमसी घुसपैठियों को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा रही

प्रधानमंत्री ने कहा- लोगों को टीएमसी की साजिशों से सावधान रहने की जरूरत है। वे घुसपैठियों को बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। मैंने सोशल मीडिया पर देखा कि कुछ लोगों ने 'गो बैक मोदी' के बोर्ड लगा रखे हैं। इससे बेहतर होता कि पश्चिम बंगाल की हर गली और खंभे पर 'गो बैक घुसपैठिए' लिख दिया जाता।

पीएम मोदी बोले...मौसम ने कठिनाइयां पैदा कीं, लेकिन मैं फिर आऊंगा

पीएम ने कहा- इस बार मौसम ने कठिनाइयां पैदा की हैं। इसके कारण मैं कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच सका। मैं वैसा नहीं हूं कि मौसम की परेशानी को भी राजनीति के रंग में रंग दूं। मैं वादा करता हूं कि फिर आऊंगा। आपके दर्शन करूंगा। बार-बार आऊंगा।

पीएम बोले...बंगाल के लोग टीएमसी के कुशासन से परेशान

बंगाल पहुंचने से पहले मोदी ने बंगाल की ममता सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- बंगाल के लोगों को केंद्र सरकार की कई स्कीमों का फायदा मिल रहा है, लेकिन वे तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से परेशान हैं।

मोदी ने कहा- बिहार ने बंगाल में भाजपा की जीत के द्वार खोल दिए

प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है। प्रधानमंत्री ने कहा...आज देश को तेज रफ्तार में विकास की जरूरत है। बिहार ने एक बार फिर एनडीए सरकार को विकास के लिए भारी जनादेश दिया है। बिहार चुनाव परिणामों ने बंगाल में भाजपा की जीत के द्वार खोल दिए हैं। बिहार ने एक स्वर में जंगलराज के शासन को नकार दिया है। 20 साल बाद भी बिहार की जनता ने भाजपा-एनडीए को पहले से अधिक सीटें दी हैं। अब हमें पश्चिम बंगाल को 'महाजंगलराज' से मुक्ति दिलानी है। टीएमसी चाहे जितना विरोध करे, लेकिन बंगाल के विकास को नहीं रोक सकती।

पीएम बोले...बंगाल की जनता से आग्रह, भाजपा को मौका देकर देखिए

पीएम ने कहा- बंगाल की जनता से हाथ जोड़कर आग्रह करता हूं कि एक बार भाजपा को मौका देकर देखिए। भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाकर देखिए। फिर देखिए कितनी तेजी से यहां विकास होता है बंगाल और बंगाली भाषा ने भारत के इतिहास और संस्कृति को लगातार समृद्ध किया है। 'वंदे मातरम' ऐसी ही एक रचना है। पूरा देश 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिस पर संसद में भी चर्चा हुई। इस धरती ने देश को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जैसा ऋषि दिया है। बंकिम बाबू ने गुलाम भारत में वंदे मातरम के जरिए देश को नई चेतना दी।

मुस्लिम महिला का हिजाब हटाना दुर्भाग्यपूर्ण,नीतीश कुमार को पश्चाताप करना चाहिए : मायावती

लखनऊ,20 दिसम्बर 2025। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसा है। उन्होंने एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का हिजाब हटाए जाने के विवाद को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। मायावती ने कहा कि मुख्यमंत्री को पश्चाताप कर इस प्रकरण को समाप्त कर लेना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बहराइच पुलिस परेड, विधानसभा और संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। बसपा प्रमुख ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरण के सार्वजनिक कार्यक्रम में एक मुस्लिम महिला डाक्टर का हिजाब (चेहरे का नकाब) हटाने का मामला सुलझने की बजाय, खासकर मंत्रियों आदि की बयानबाजी के कारण, विवाद का रूप लेकर यह लगातार तूल पकड़ता ही जा रहा है, जो दुखद व दुभाग्यपूर्ण है। यह मामला पहली नजर में ही महिला सुरक्षा व सम्मान से जुड़ा होने के कारण मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप से अब तक सुलझ जाना चाहिये था। खासकर तब जब कई जगहों पर ऐसी अन्य वारदातें भी सुनने को मिल रही हैं। अच्छा होगा कि मुख्यमंत्री इस घटना को सही परिप्रेक्ष्य में देखते हुये इसके लिये पश्चाताप कर लें। मायावती ने बहराइच में पुलिस परेड के दौरान एक कथावाचक को सलामी दिए जाने के मामले पर भी सवाल उठाए। मायावती ने लिखा कि उत्तर प्रदेश के बहराइच जिला पुलिस ने पुलिस परेड में स्थापित नियमों से हटकर,एक कथावाचक को सलामी देने का मामला भी विवाद में हैं। पुलिस परेड व सलामी की अपनी परम्परा, नियम,मर्यादा,अनुशासन व पवित्रता है,जिसको लेकर खिलवाड़ कतई नहीं किया जाना चाहिये।

वैश्विक बाजार में बने रहने के लिए कपड़ा उद्योग को बढ़ानी होगी तकनीकी क्षमता : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2025। केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को कहा कि कपड़ा उद्योगों को वैश्विक पटल पर बने रहने के लिए अपनी तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाना होगा। उन्होंने वस्त्र उद्योग में अधिक बदलाव के लिए अनुसंधान और नवाचार पर जोर दिया। कपड़ा मंत्री ने आज दिल्ली में वस्त्र अनुसंधान संघों की पहली संयुक्त बैठक में यह बात कही। इस बैठक को कपड़ा मंत्रालय ने आयोजित किया। इसमें सस्टेनेबिलिटी, नए फाइबर के नवाचार और कपड़ा अनुसंधान संघों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, अनुसंधान और नवाचार ऐसा मार्ग है, जिसके माध्यम से ह्म संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इससे ही 'अर्थ ओवरशूट डे' जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटा जा सकता है। इसके अलावा, नए जमाने के रेशों और तकनीकी फाइबर के इस्तेमाल से ही वैश्विक बाजार में अपनी धाक जमा सकते हैं।' मंत्री ने बताया कि प्राकृतिक फाइबर जैसे बांस, सीसल, हेंप और पाइनएप्पल फाइबर को औद्योगिक उपयोग तथा रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है।

असम में राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर 7 हाथियों की मौत

ट्रेन के 5 डिब्बे-इंजन पटरी से उतरे, कोहरे के कारण हादसे की आशंका

गुवाहाटी, 20 दिसम्बर 2025। असम के होजाई जिले में शनिवार सुबह हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई और एक हाथी का बच्चा घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए। यह हादसा सुबह 2:17 बजे चांगजुराई गांव के पास हुई। शुरुआत में आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना थी, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि एक हाथी का बच्चा जिंदा है और गंभीर रूप से घायल है। हादसे में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। नगांव के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर सुहास कदम ने बताया कि इलाके में घना कोहरा होने के कारण यह हादसा हुआ होने की आशंका है। मृत हाथियों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है, जबकि स्थानीय पशु चिकित्सक घायल हाथी का इलाज कर रहे हैं।

इमरजेंसी ब्रेक लगाने के बावजूद हाथी ट्रेन से टकराए

नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि हादसा गुवाहाटी से करीब 126 किलोमीटर दूर लुमडिंग डिवीजन के तहत जमुनामुख-कांपुर सेक्शन में हुआ। हादसे वाली जगह अधिसूचित हाथी कॉरिडोर नहीं है। अधिकारी के अनुसार, हाथियों का झुंड अचानक ट्रेन के सामने आ गया। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन इसके बावजूद हाथी ट्रेन से टकरा गए। फॉरेस्ट ऑफिसर ने बताया कि मृत हाथियों का अंतिम संस्कार घटनास्थल के पास ही किया जाएगा।

पटरी से उतरे कोचों को छोड़कर ट्रेन 4 घंटे बाद रवाना हुई

एनएफआर अधिकारी ने बताया कि सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस मिजोरम के सैरांग (आइजोल के पास) से दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल तक जाती है। हादसे के बात पटरी से उतरे कोचों के यात्रियों को अस्थायी रूप से अन्य डिब्बों में खाली बर्थ पर शिफ्ट किया गया। फिर प्रभावित कोचों को हटाकर बाकी ट्रेन 4 घंटे बाद, सुबह 6:11 बजे गुवाहाटी के लिए रवाना हुई। गुवाहाटी में ट्रेन में अतिरिक्त कोच जोड़े गए, जिनमें यात्रियों को बैठाया गया। इसके बाद ट्रेन ने अपनी आगे की यात्रा फिर से शुरू की। अधिकारी के मुताबिक, प्रभावित सेक्शन से गुजरने वाली ट्रेनों को अप लाइन से डायवर्ट किया गया था। मौके पर ट्रैक बहाली का काम जारी है। एनएफआर के जनरल मैनेजर और लुमडिंग के डिवीजनल रेलवे मैनेजर ने घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया।

भोपाल मेट्रो का शुभारंभ..केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और सीएम डॉ. मोहन यादव ने दिखाई हरी झंडी

भोपाल,20 दिसम्बर 2025। राजधानी भोपाल में अब मेट्रो सेवा का शुभारंभ हो गया है। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रिमोट बटन दबाकर मेट्रो का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव, केंद्रीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक विश्वास सारंग सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मेट्रो के पहले चरण में

सुभाष नगर से एम्स तक 8 स्टेशन और 7.5 किलोमीटर का ट्रैक चालू किया गया है। इस चरण में यात्रियों को 20 से 40 रुपए तक का किराया चुकाना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अब भोपालवासियों को यह आधुनिक परिवहन सुविधा मिली है। इंदौर के बाद भोपाल को यह सौगात मिली है, जो प्रदेश के विकास की नई दिशा को दर्शाती है। इस कार्यक्रम में शहरी विकास मंत्रालय के 5,800 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो परियोजना राजधानी को एक नए गौरव से गौरवान्वित कर रही है और यह उन सभी प्रयासों का परिणाम है, जो पिछली सरकारों की नाकामी के बाद किए गए।

मद्रास हाईकोर्ट के जज को 36 पूर्व जजों का समर्थन:पूर्व न्यायाधीश बोले...

जस्टिस स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव न्यायपालिका पर हमला है

चेन्नई, 20 दिसम्बर 2025। मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन के खिलाफ विपक्षी सांसदों के महाभियोग प्रस्ताव का देश के 36 पूर्व जजों ने विरोध किया है। इससे पहले 56 पूर्व जज भी इस प्रस्ताव पर विरोध जता चुके हैं। शनिवार को इन 36 जजों ने खुले पत्र में कहा- महाभियोग के प्रस्ताव का कदम जजों पर राजनीतिक-वैचारिक दबाव बनाने और डराने की कोशिश है। अगर इस तरह

की कोशिशों को आगे बढ़ने दिया गया, तो यह लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की जड़ों पर हमला होगा क्योंकि लोकतंत्र में फैसलों की परीक्षा अपील और कानूनी समीक्षा से होती है, न कि महाभियोग की धमकियों से। दरअसल, जस्टिस स्वामीनाथन ने 1 दिसंबर को मंदिर और दरगाह से जुड़े मामले में हिंदुओं के पक्ष में फैसला दिया था। इसके बाद 9 दिसंबर को प्रियंका गांधी वाड्रा समेत इंडिया गठबंधन के 107 सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था।

ट्रेन की चपेट में आने से 4 बीजेपी समर्थकों की हुई मौत

पीएम की रैली में जा रहे थे

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2025। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई. ये सभी लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रानाघाट में होने वाली रैली में शामिल होने जा रहे थे। मृतकों की पहचान रामप्रसाद घोष (72), मुक्तिपद सूत्रधार (63), गोपीनाथ दास (38) और भैरव घोष के रूप में हुई है। यह हादसा कृष्णानगर-रानाघाट सेक्शन पर ताहेरपुर और बदकुल्ला स्टेशनों के बीच हुआ।

ट्रेन ने इन लोगों को कुचल दिया. बताया गया है कि मुर्शिदाबाद के बरवान ब्लॉक से बीजेपी समर्थकों का यह समूह शुक्रवार रात बस से रानाघाट के लिए रवाना हुआ था। शनिवार तड़के वे शौच के लिए रेलवे ट्रैक के पास गए थे,तभी यह दर्दनाक हादसा हुआ। दोनों दिशाओं से आ रही ट्रेनों की चपेट में आने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे शख्स ने कोलकाता ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजन और स्थानीय लोग इस खबर से सदमे में हैं।

भारत में अब चिकित्सा शिक्षा में सुविधाओं की कमी नहीं : जेपी नड्डा

लखनऊ,20 दिसम्बर 2025। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि पहले मेडिकल के छात्र उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाते थे, लेकिन अब हमारा विद्यार्थी नहीं कह सकता कि भारत में सुविधा नहीं है। अब भारत में संस्थान,आधारभूत संरचना व सुविधाएं हैं। मेडिकल के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आ रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा यहां किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के 21 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केजीएमयू ने देश की ही नहीं दुनिया में मानवता की सेवा की है। यहां पर मेडिकल की पढ़ाई कर निकले छात्र दुनिया के अन्य देशों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजीएमयू का गौरवमय इतिहास रहा है। यहां काम करना सौभाग्य की बात है। लीवर व किडनी ट्रान्सप्लान्ट में केजीएमयू ने स्थान बनाया है। नड्डा ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए स्वर्णिम अवसर होता है। आपके कंधों पर अब बड़ी जिम्मेदारी है।

आपको सामाजिक जिम्मेदारी निभानी पड़ेगी। मरीज को स्वस्थ करना आसान काम नहीं होता है। मरीज आपके पास जीवन की रक्षा व सुरक्षा की आस से आता है। जेपी नड्डा ने कहा कि 20 वीं शताब्दी तक देश में एक ही एम्स था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश में 23 एम्स हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देशभर में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना को लागू किया गया। ये योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा कवरेज योजना है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 62 करोड़ परिवारों को लाभान्वित किया गया है। इसमें 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क बीमा कवरेज गरीबों और विशेषकर 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को दिया जा रहा है। दीक्षांत समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि केजीएमयू दुनिया के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा के केन्द्र के रूप में विकसित हो रहा है। यहां पर प्रतिदिन 10 हजार मरीज ओपीडी में आते हैं। केजीएमयू में पढ़ना और यहां से डिग्री प्राप्त करना आसान नहीं है। चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ मरीजों को स्वस्थ करने में केजीएमयू ने नया आयाम गढ़ा है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उप्र में 17 मेडिकल कॉलेज सरकारी और 23 निजी क्षेत्र के थे। आज 81 मेडिकल कॉलेज पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं।

संपादकीय

प्रदूषण पर सत्ता और विपक्ष दोनों एकमत

फिर भी संसद में क्यों नहीं हुई चर्चा? अब और बिगड़ेंगे हालात

संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया,जिससे दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा अधूरी रह गई। राजनीतिक मतभेदों के कारण करोड़ों लोगों के जीवन पर जहरीली हवा के असर को लेकर कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया। इस समस्या से निपटने के लिए पूरे साल की कार्ययोजना और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है...

संसद का शीतकालीन सत्र जिस अंदाज में शुरू हुआ था, खत्म भी उसी तरह हुआ। नारेबाजी और शोर-शराबे की वजह वजह से से कई का चर्चाएं अधूरी रह गई,और दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण पर तो सत्ता पक्ष और विपक्ष में सहमति के बावजूद बात नहीं हो पाई।। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते प्रदूषण को हेल्थ इमरजेंसी बताते हुए व्यवस्थित बहस की जरूरत बताई थी। विपक्ष के दूसरे नेता भी इससे सहमत थे और सरकार ने भी हामी भरी थी। लेकिन,गुरुवार को जब लोकसभा में चर्चा की बारी आई तो मनरेगा की जगह लेने वाले विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) को लेकर चले हंगामे की वजह से सदन में कामकाज नहीं हो पाया। अब सरकार कह रही है कि वह तो तैयार थी, जबकि कांग्रेस सवाल पूछ रही है कि चर्चा क्यों नहीं हो पाई।

जिस समय सदन में हंगामा हो रहा था,दिल्ली में कई जगह एक्यूआई-400 के आसपास था यानी बेहद गंभीर स्थिति। नवंबर से लेकर अभी तक राजधानी के हालात कमोबेश ऐसे ही रहे हैं। पिछले महीने 24 दिनों तक एक्यूआई- 300 के ऊपर रहा। दिसंबर में स्थिति और खराब हो गई। जीआरएपी-4 लागू होने के बावजूद वायु प्रदूषण का लेवल 350-400 के बीच बना हुआ है।

दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। पार्टी और विचारधारा से अलग, इस इलाके में रहने वाले करोड़ों लोगों के जीवन पर जहरीली हवा एक जैसा असर डाल रही है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर का अनुमान है कि साल 2023 में केवल वायु प्रदूषण की वजह से दिल्ली में 17,200 लोगों को जान गंवानी पड़ी। सड़क हादसों, आपराधिक वारदात या किसी भी दूसरी बीमारी की तुलना में यह आंकड़ा बहुत बड़ा है।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सार्थक चर्चा के साथ गंभीर उपायों की भी जरूरत है। जीआरएपी समस्या शुरू होने के बाद का कदम है, बचाव का उपाय नहीं। इस समस्या से निपटने के लिए मौसमी के बजाय पूरे साल का एक्शन प्लान चाहिए। स्पष्ट गाइडलाइन, नियमों का सख्ती से पालन, एनसीआर में शामिल राज्यों के बीच तालमेल और जागरूकता के बिना यह काम नहीं हो सकता। वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

गलतियां स्वीकार दें भविष्य को निखार

डॉ विजय गर्ग
मलोट पंजाब

जीवन में गलतियां होना स्वाभाविक हैं। हम सभी गलतियां करते हैं। कहा भी गया है कि इंसान गलतियों का पुतला है। इसका एक निहितार्थ ये भी हो सकता है कि व्यक्ति अपनी गलतियों से सीख कर ही इंसान बनता है। जैसे विभिन्न कठिनाइयां ही मनुष्य को विषम परिस्थितियों में जीना और आगे बढ़ना सिखाती हैं वैसे ही उसकी बलतियां भी मनुष्य को सबसे अधिक सीखने का अवसर प्रदान करती हैं। गलतियों के अभाव में मनुष्य कैसे कुछ सीखेगा? गलती कोई अपराध नहीं लेकिन गलतियों को सुधारना जरूरी है। गलती को न सुधारने से वह आदत बन जाती है, हमारे व्यवहार का अंग बन जाती है और हमारा अनिष्ट करके ही छो ती है। इसीलिए गलती का पता लगने पर भी उस गलती को दूर न करना अथवा एक गलती को बार-बार दोहराना अपराध नहीं होने पर भी अपराध से कम नहीं माना जाता। प्रायः जब हमसे कोई बे ी गलती हो जाती है तो उसको छुपाने के लिए दूसरी गलती कर देते हैं और कई बार अपराध तक कर डालते हैं।

जो व्यक्ति एक ही गलती को बार-बार करे उसके लिए अंग्रेजी में एक शब्द है एरिस्ट। एक एरिस्ट व टेररिस्ट में कोई विशेष अंतर नहीं होता। जब कोई व्यक्ति अपनी लती को स्वीकार करके उसे सुधारने के बजाय उसे बार-बार करता है तभी वह टेररिस्ट या आतंकवादी बनता है। चोरी करना, परिग्रह एवं अतिशय लोभवृत्ति, झूठ बोलना, दादागीरी व हिंसा का सहारा लेना, आज का कार्य कल पर टालना, अपनी भावनाओं या विचारों पर नियंत्रण न करना, बात-बात पर क्रोध करना, क्षमाशीलता व संवेदनशीलता का अभाव, हर स्थिति में असंतुष्ट व छिद्रान्वेषी बने रहना व अन्य दूसरे नकारात्मक भाव या आदतें ऐसी गलतियां अथवा भूलें हैं जिन्हें स्वीकार करके उन्हें दूर करना या सुधारना अनिवार्य है। अन्यथा हमारे एक सामान्य व्यक्ति से निकृष्ट व्यक्ति में बदलते देर नहीं लगती। इन्हीं गलतियों के कारण एक व्यक्ति कुख्यात बन जाता है और इन्हीं को सुधारकर विख्यात अथवा प्रख्यात हो जाता है। वास्तव में हमारे सभी नकारात्मक भाव या उनसे उत्पन्न सब कर्म हमारी गलतियां ही होते हैं और उन्हें सुधारकर उनके स्थान पर सकारात्मक भाव या उनसे उत्पन्न सब कर्म ही जीवन का अपेक्षित विकास करते हैं।

गलतियां किससे नहीं होतीं? गांधी जी ने अपनी आत्मकथा में अपनी गलतियों अथवा कमियों को स्पष्ट रूप से लिखा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी जीवन में अनेक गलतियां कीं लेकिन उन्होंने कभी भी किसी गलती को छुपाया या दोहराया नहीं। उन्होंने हिम्मत के साथ अपनी गलतियों को स्वीकार कर उन्हें सुधारा। गांधी जी के बचपन की एक घटना है। उन पर एक दुकानदार का काफी कर्ज हो गया। उनका कर्ज उतारने के लिए उन्होंने अपनी माताजी के सोने के कड़ों में से थोड़ा सा सोना काटकर बेच दिया और अपना कर्ज चुका दिया। इस घटना से उन्हें बहुत दुख हुआ। वे आत्मग्लानि से भर उठे। वे सारी बातें अपने पिताजी को बतलाकर उनसे माफी मांगना चाहते थे लेकिन ऐसा करने की उनकी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने सारी बातें एक चिट्ठी में लिखीं और चिट्ठी पिताजी को दे दी। उनके पिता बीमार थे। जब उन्होंने चिट्ठी पड़ी तो उनकी आंखों से आंसू बहने लगे। गांधी जी भी रोने लगे और उन्होंने पिताजी के सामने प्रण किया कि जीवन में कभी भी गलत कार्य अथवा चोरी नहीं करेंगे।

हम सब जानते हैं कि गांधी जी ने जीवनभर अपने प्रण को बखूबी निभाया ही नहीं अपितु अपने दूसरे अवगुणों को भी त्याग कर सद्गुणों को अपने जीवन का आधार बनाया। जब पहली बार कोई लती हो जाए तो उसे छुपाने के बजाय स्वीकार कर सुधार लेना ही दुरात्मा बनने के बजाय महात्मा बनने की दिशा में अग्रसर होना है। जब भी हम कोई नया काम करना सीखते हैं तो भी कुछ कमियां या गलतियां अवश्य रह जाती हैं। तो क्या हम वो काम करना ही बंद कर दें या जीवनभर गलतियां ही करते रहें? यदि हम चलते-चलते गिर पड़ें तो क्या हम वहीं पड़े रहें या उठकर वापस लौट जाएं? नहीं। गिरने के बाद उठना और दोबारा सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना ही उन्नति व विकास का वास्तविक मार्ग है। गलती मानना भी बहुत हिम्मत की बात है और गलती मानने वाला अपराधी नहीं बहादुर व्यक्ति होता है। बहादुर व्यक्ति ही संसार में विजयी होते हैं।

एक अपराधी ही नहीं एक कायर अथवा डरपोक व्यक्ति भी कभी अपनी गलती को नहीं मानता इसीलिए न तो उसकी गलती का सुधार होता है और न वह जीवन में आगे ही बढ़ता है। रत्नाकार नामक व्यक्ति को जब अपनी गलतियों का अहसास हुआ और तो अपना निकृष्ट पेशा त्यागने का निर्णय लिया तो तब जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ। उनकी संवेदना इतने चरम पर पहुंच गई कि उन्होंने रामायण जैसे महाकाव्य का सृजन कर डाला और आदि कवि के रूप में विख्यात हुए। अपनी कमियों को खोजकर व उन्हें सुधारकर हम चाहें तो संत बन सकते हैं और न सुधार कर वीरप्पन या दाऊद बने रहने को अभिशप्त हो सकते हैं। श्रेयस्कर तो यही है कि हम अपनी गलतियों को स्वीकार कर, उन्हें सुधार कर व उनसे सीख लेकर निरंतर आगे बे ते रहने का प्रयास करते रहें।` लती करने व हर गलती को स्वीकार कर उसे सुधारने में ही निहित है जीवन का वास्तविक विकास।

ई-सिगरेट विवाद : क्या संसद कानून से ऊपर है?

स्वास्थ्य-ध्वंस का इलैक्ट्रॉनिक संस्करण है ई-सिगरेट

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

लोकसभा के शीतकालीन सत्र में पिछले दिनों उस समय असहज स्थिति बन गई,जब भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद सदन की कार्यवाही के दौरान ई-सिगरेट पी रहे थे। यह आरोप अपने आप में गंभीर था क्योंकि भारत में 2019 से ई-सिगरेट का उत्पादन, विक्रय, वितरण, भंडारण, यहां तक कि प्रचार-प्रसार भी पूर्णतः प्रतिबंधित है। प्रश्नकाल के बीच उठे इस मुद्दे ने विपक्षी बेंचों में हंगामा मचा दिया और स्पीकर ओम बिड़ला को हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि सदन की मर्यादा और नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं और यदि कोई औपचारिक शिकायत आती है तो कार्रवाई होगी। यह घटना केवल संसदीय अनुशासन का प्रश्न नहीं बल्कि उस व्यापक खतरे की भी याद दिलाती है, जिसे 'ई-सिगरेट' के नाम पर आधुनिक नशे के रूप में समाज के बीच पाला-पोसा जा रहा था। सवाल यह है कि जब देश के युवाओं को इस घातक प्रवृत्ति से बचाने के लिए कानून बना, तब क्या संसद परिसर में उसका उल्लंघन देश के लिए सही उदाहरण है? ई-सिगरेट या 'वेपिंग डिवाइस' एक बैटरी चालित उपकरण है, जिसमें निकोटीन मिला एक तरल घोल गर्म होकर वाष्प के रूप में बाहर आता है। उपयोगकर्ता इसे कश लगाते हुए इनहेल करता है। इसमें कोई दहन नहीं होता, इसलिए इसे 'स्मोक-फ्री' कहा गया किंतु यह मात्र भाषाई छलावा है। 'ई-सिगरेट' शब्द भले ही आधुनिक लगे पर इसका मूल स्वभाव (लत, निकोटीन, और भ्रम) बेहद पुराना है। इसे धूम्रपान छो ने के सुरक्षित विकल्प के रूप में प्रचारित किया गया लेकिन विज्ञान ने इस भ्रम को जल्दी तो दिया। इसकी भाप में निकोटीन, प्रोपलीन ग्लाइकॉल, ग्लिसरीन और दर्जनों रासायनिक फ्लेवर होते हैं। इन तत्वों की विषाक्तता पारंपरिक तंबाकू उत्पादों से कम नहीं बल्कि कई बार उससे भी अधिक खतरनाक होती है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलाइना की 2018 की एक स्टडी में बताया गया कि प्रोपलीन ग्लाइकॉल और वेजिटेबल ग्लिसरीन दोनों ही मानव कोशिकाओं पर विषैला असर डालते हैं। इनसे कोशिकीय सूजन, डीएनए क्षति और फेफड़ों की संरचना में स्थायी बदलाव हो सकता है। एक अन्य अध्ययन में यह साबित हुआ कि ई-सिगरेट के वाष्प में एक्रोलिन नामक रसायन पाया जाता है, जो अस्थमा और फेफड़ों के कैंसर का कारण बनता है।

भारत सरकार ने सितंबर 2019 में 'इलैक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019' लागू किया था, जिसके तहत उत्पादन, आयात, बिक्री, भंडारण और विज्ञापन सभी को अपराध घोषित किया गया। पहली बार अपराध करने पर एक वर्ष की जेल या एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है जबकि बार-बार अपराध करने पर तीन वर्ष तक कारावास और पांच लाख रुपये तक का दंड तय किया गया। यह कानून अचानक नहीं आया था। इसके पीछे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), एम्स और टाटा रिसर्च सेंटर जैसे शीर्ष संस्थानों की चेतावनियां थी। 2019 में जारी आईसीएमआर के श्वेत पत्र में कहा गया था कि ई-सिगरेट स्वास्थ्य के लिए साधारण सिगरेट जितनी ही हानिकारक है और यह भ्रांति फैलाना कि ई-सिगरेट सुरक्षित विकल्प है, पूरी तरह झूठा और व्यावसायिक प्रचार का हिस्सा है। ई-सिगरेट कंपनियों ने इसे धूम्रपान छोड़ने के साधन के रूप में पेश किया पर मेडिकल शोध यह बताते रहे हैं कि ई-सिगरेट धूम्रपान छुड़ाने में सहायक नहीं बल्कि नई लत का प्रवेश द्वार है। अमेरिकी स्कूलों में 10वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों में ई-सिगरेट की लत 77 प्रतिशत तक बढ़ी। वे किशोर, जो कभी सिगरेट के करीब नहीं गए थे, उन्होंने भी 'वेपिंग' के नाम पर इसे अपनाना शुरू किया। भारत में भी यही प्रवृत्ति देखी गई। बबलगम, चॉकलेट, मिंट, कॉटन कैंडी इत्यादि अलग-अलग फ्लेवर के माध्यम से बच्चों और किशोरों को आकर्षित किया गया। यहां तक कि 'कैंडी वेप पेन' के नाम पर इसे खिलौनों की शक्ल में बाजार में उतारा गया। यह व्यापार नशे के नए ग्राहक बनाने का औजार बन गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2020 में अपनी रिपोर्ट में बताया कि ई-सिगरेट उद्योग दुनियाभर में तंबाकू विरोधी अभियान को कमजोर करने के लिए काम कर रहा है। डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट कहा कि 'ई-सिगरेट पारंपरिक सिगरेट के समान हानिकारक है। इसमें निकोटीन के साथ कई कार्सिनोजेनिक (कैंसरकारक) तत्व होते हैं।' ई-सिगरेट को 'इलैक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम्स' कहा जाता है। इसमें निकोटीन-युक्त तरल घोल को गर्म करने पर उत्पन्न एरोसोल में सीसा, तांबा, सिलिकेट और कैडमियम जैसी भारी धातुएं पाई जाती हैं। ये कण सीधे श्वसन तंत्र और रक्त प्रवाह में प्रवेश कर मस्तिष्क तथा फेफे ों को प्रभावित करते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि निकोटीन रक्तचाप को असामान्य रूप से बढ़ाता है,ब्लड क्लॉट की संभावना को दोगुना कर सकता है और हृदयाघात का खतरा 56 प्रतिशत तक बढ़ा देता है। ई-सिगरेट का अधिक सेवन करने वाले लोगों में इंसुलिन रेसिस्टेंस और मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी नई समस्याएं सामने आई हैं। भारत के अलावा मालदीव, भूटान, नेपाल, ब्राजील, सिंगापुर, थाईलैंड, लेबनान, सीरिया, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया इत्यादि लगभग तीन दर्जन देशों में ई-सिगरेट पर पूर्ण प्रतिबंध है। अमेरिका में इसे 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों तक सीमित रखा गया है लेकिन कई राज्यों में वहां भी प्रतिबंध लागू है। इन देशों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए वेपिंग उद्योग के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है।अब प्रश्न है देश के प्रतिबंध के बाद भी हमारी संसद के भीतर ही 'माननीयों' द्वारा ई-सिगरेट का उपयोग करने की तो यदि संसद के भीतर ही कोई इसका उपयोग करता है तो यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि राष्ट्रीय नैतिकता पर भी चोट है। संसद वह स्थान है, जहां कानून बनते हैं, सामाजिक आचरण की मर्यादा तय होती है। यदि वहीं से कानून तो` जाएं तो इसका पूरे देश में क्या संदेश जाएगा? भारत की जनसंख्या का बे ा हिस्सा 18-30 वर्ष के बीच है। यही वर्ग 'वेपिंग कल्चर' के सबसे अधिक जोखिम में है। सोशल मीडिया और विज्ञापनों ने इसे 'कूल' और 'सुरक्षित' दिखाने की चाल चली लेकिन असल में यह फेफे ों की बीमारी, हृदय समस्याओं और कैंसर जैसी बीमारियों की नई लहर का कारण बन सकती है। कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम के विशेषज्ञ इसे भारत जैसे विकासशील देशों के लिए टाइम बम करार देते रहे है। उनका कहना है कि ई-सिगरेट निकोटीन निर्भरता का नया रूप है, जो लोगों को पारंपरिक तंबाकू से नहीं बचाता बल्कि एक अलग 'इंस्ट्रूमेंटल नशे' के जाल में फंसाता है। देशभर में कई स्थानों पर ई-सिगरेट अब भी अवैध रूप से बेची जाती हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, विदेशी आयात और छोटे दुकानों में यह व्यापार जारी है। इसलिए केंद्र व राज्य सरकारों को इस कानून के पालन पर सख्त निगरानी करनी होगी। यदि संसद जैसी सर्वोच्च संस्था में ई-सिगरेट का प्रयोग हो सकता है तो सड़कों पर इसकी रोकथाम की उम्मीद कमजोर पड़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि इस मुद्दे को केवल संसदीय मर्यादा का नहीं बल्कि जनविश्वास का भी मामला माना जाए।

ई-सिगरेट केवल एक इलैक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं, उस सामाजिक प्रवृत्ति का उदाहरण है,जो आधुनिकता के भ्रम में स्वास्थ्य को गिरवी रख देती है। तकनीक मानव कल्याण के लिए बनी लेकिन जब तकनीक नशे के व्यापार से जुड़ती है तो वह विनाशकारी बन जाती है। निकोटीन चाहे धुएं के रूप में मिले या वाष्प के,उसका अंत एक ही है, नशे की निर्भरता,शारीरिक क्षति और मानसिक जके न। युवाओं को यह समझना होगा कि 'वेपिंग' केवल धूम्रपान का नया फैशन नहीं बल्कि स्वास्थ्य-ध्वंस का इलैक्ट्रॉनिक संस्करण है। ई-सिगरेट लत,भ्रम और बाजार,इन तीन स्तंभों पर टिकी एक कृत्रिम बीमारी है। इसे सुरक्षित विकल्प बताने वाले न केवल विज्ञान बल्कि समाज के स्वास्थ्य के साथ भी धोखा कर रहे हैं।

बहरहाल, 2019 में भारत ने जब ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाया तो यह सिर्फ स्वास्थ्य नीति नहीं, भविष्य की पीढ़ियों की सुरक्षा का संकल्प था। लोकसभा में उठी नवीनतम घटना इस संकल्प की याद दिलाती है। यह आवश्यक है कि संसद स्वयं उदाहरण बने, न कि अपवाद क्योंकि जब नीति-निर्माता नियम तोड़ेंगे, तब कानून की विश्वसनीयता गिरती है और समाज का नैतिक संतुलन डगमगाने लगता है। इसलिए अब वक्त है कि ई-सिगरेट के खिलाफ सरकार के कठोर रुख को व्यवहार में दिखाया जाए। कृत्रिम नशे के इस रासायनिक इंतजाम से भारत को बचाना न केवल जरूरी है बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों की सेहत के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

सम्मान समारोह में लटकता विवेक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

कृपाशंकर वर्मा को सम्मान बहुत पसंद था–इतना कि वे उसके बिना अपमानित महसूस करते थे। वे ऐसे आदमी थे जिनका आत्मसम्मान बाहर से आता था। भीतर झाँकने की उन्हें आदत नहीं थी, वहाँ जगह भी कम थी। उन्होंने जीवन में बहुत कम काम किए थे, लेकिन हर काम का प्रमाणपत्र उनके पास था। उनका ड्रॉइंग रूम उपलब्धियों से भरा था और अंतरात्मा खाली।

एक दिन नगर में ÷श्रेष्ठ नागरिक सम्मान÷ देने का निर्णय हुआ। चयन समिति ने तय किया कि ऐसा व्यक्ति चुना जाए, जिस पर कोई आरोप न हो। कृपाशंकर जी सर्वसम्मति से चुन लिए गए–क्योंकि उन पर आरोप तो बहुत थे, पर दर्ज एक भी नहीं। समाज ने इसे चरित्र कहा, कानून ने चुप्पी।

सम्मान समारोह में कृपाशंकर जी मंच पर बैठे थे–थोड़े अकड़े हुए, थोड़े डराए हुए। उन्हें डर था कि कहीं माला भारी न निकल जाए, कहीं तालियाँ कम न पड़ जाएँ। वक्ता बोले–

ये हमारे समाज की रीढ़ हैं।

रीढ़ सुनते ही कृपाशंकर जी सीधे बैठ गए। उन्हें लगा, आज पहली बार शरीर में कोई हड्डी उग आई है।

तालियाँ बजीं। कैमरे चमके। सम्मान पत्र पढ़ा गया–जिसमें उनकी सेवाओं का ऐसा विवरण था, जो उन्होंने खुद भी पहली बार सुना। वे भावुक हो गए। आँखों में नमी आई–ग्लिसरीन की।

सभा में एक बूढ़ा आदमी भी बैठा था। उसने धीमे से कहा–

इसी ने मेरा काम रोक रखा था।

लेकिन माइक तक उसकी आवाज़ पहुँचते-पहुँचते सम्मान में बदल गई।

सम्मान समाप्त हुआ। कृपाशंकर जी अब सम्मानित थे। इसका सीधा लाभ यह हुआ कि अब उनके हर गलत काम को अनुभव कहा जाने लगा। हर चुप्पी को गरिमा। हर समझौते को संतुलन। सम्मान ने उनके विवेक को कोट की तरह टाँग दिया–खास मौकों के लिए।

कुछ समय बाद वही सम्मान हर कार्यक्रम में चमकने लगा। कृपाशंकर जी खुद नहीं जाते थे, उनका सम्मान चला जाता था। समाज खुश था–उसे आदमी नहीं, प्रतीक चाहिए था।

एक दिन वही बूढ़ा आदमी मर गया। बिना सम्मान के।

कृपाशंकर जी ने श्रद्धांजलि भेजी–

वे बहुत सीधे थे, इसलिए पीछे रह गए।

सभा ने सिर हिलाया।

सम्मान सुरक्षित रहा।

और विवेक

वह अब भी समारोह में लटक रहा है।

नारी को अग्रणी स्थान देना समय की अनिवार्यता

संजीव ठाकुर
रायपुर छत्तीसगढ़,

स्त्रियों की आकांक्षाओं का आकाश अधूरा। सुसंस्कृत,शिक्षित नारी राष्ट्र की धरोहर

सुसंस्कृत और शिक्षित नारी ही श्रेष्ठ समाज तथा सशक्त राष्ट्र की वास्तविक निर्मात्री है, क्योंकि स्त्री केवल परिवार की धुरी नहीं बल्कि सभ्यता की संवाहिका भी है,और भारत ही नहीं समूचे विश्व में वह अपने नैसर्गिक सम्मान की यथोचित हकदार है; किसी भी समाज का विकास तब तक पूर्ण नहीं हो सकता जब तक स्त्रियों को समान गरिमा,अवसर और निर्णय-सत्ता प्राप्त न हो, इसलिए परंपरागत मान्यताओं के पुनर्मूल्यांकन के साथ परिवार, समाज और राष्ट्र–तीनों स्तरों पर नारी को अग्रणी स्थान देना समय की अनिवार्यता है, भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नारी पूज्यन्ते का उद्घोष केवल आस्था नहीं बल्कि दायित्व का स्मरण है, जहाँ शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक देवी के नौ स्वरूप अन्याय और आततायियों से रक्षा के प्रतीक रहे हैं, किंतु विडंबना यह है कि विश्वव्यापी पुरुष-प्रधान सामाजिक संरचना ने आदिम काल से आधुनिक युग तक स्त्री को स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार करने में संकोच किया, निर्णय के अधिकार सीमित रखे और संरक्षण की शर्तों में बाँधकर उसकी अस्मिता को संकुचित किया,भारतीय समाज में भी नीतिकारों की शाश्वत

वकालत–कि स्त्री पिता, भाई, पति या पुत्र के संरक्षण में ही सामाजिक जीवन जिए–ने उसे व्यक्ति से पहले संबंध बना दिया, यहाँ तक कि धर्मशास्त्रीय उद्धरणों की रूढ़ व्याख्याएँ बालविवाह जैसी कुप्रथाओं का आधार बनीं, जबकि पश्चिमी तथाकथित आधुनिक समाज भी 1920 तक महिलाओं को व्यक्ति के रूप में मान्यता देने से वंचित रहा–इंग्लैंड में 1918 और अमेरिका में 1920 के बाद ही मताधिकार मिला–इसके विपरीत भारत में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा कॉर्नेलिया सोराबजी के वकालत आवेदन को व्यक्ति मानकर स्वीकार करना ऐतिहासिक कदम था, जो स्त्री की विधिक पहचान की दिशा में अग्रसरता का प्रमाण है; इसके बावजूद लंबे समय तक नारी को

'अबला' का दर्जा देकर अवैतनिक श्रम या उपभोग की वस्तु के रूप में देखने की मानसिकता हावी रही, जबकि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने नारी को पुरुष से अधिक सामर्थ्यवान मानते हुए उसे नर की सहचरी कहा और तस्लीमा नसरीन ने सटीक रूप से रेखांकित किया कि स्त्रियाँ जन्म से अबला नहीं होतीं, समाज उन्हें अपनी रूढ़ संस्कृति, प्रतिमानों और जीवन-शैली से अबला बनाता है; आधुनिक युग में नारीवाद, मानवाधिकारवाद और पर्यावरणवाद जैसे क्रांतिकारी विमर्शों ने बराबरी की चेतना को सशक्त किया,अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जैसे आयोजनों ने अधिकारों की माँग को वैश्विक स्वर दिया,और भारत की नारी ने स्वास्थ्य,इंजीनियरिंग,सेना,प्रशासन, परिवहन, विज्ञान और अंतरिक्ष तक कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्रनिर्माण में अपनी क्षमता सिद्ध की–श्रीमावो भंडारनायके, मार्गरेट थैचर, इंदिरा गांधी, गोल्डा मेयर से लेकर कमला हैरिस, निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, किरण बेदी और स्वर्गीय कल्पना चावला तक–ये नाम केवल उपलब्धियाँ नहीं, संभावनाओं के प्रतीक हैं; फिर भी कठोर यथार्थ यह है कि ग्रामीण भारत में महिला साक्षरता और भागीदारी सीमित है, शहरी क्षेत्रों में भी समानता, निजता और अवसरों तक पहुँच सबको नहीं, और महानगरों से लेकर दूरस्थ अंचलों तक नारी-उत्पीड़न की घटनाएँ चेतावनी देती हैं कि सशक्तिकरण की राह अभी लंबी है; ऐसे में शिक्षित और सजग स्त्रियों के साथ-साथ शासन-प्रशासन, समाज और पुरुषों को भी साझेदारी की जिम्मेदारी निभानी होगी, क्योंकि नारी का सम्मान किसी एक वर्ग का उपकार नहीं बल्कि राष्ट्र की नैतिक पूँजी है–और जब नारी सशक्त होगी, तभी समाज संतुलित और राष्ट्र समृद्ध होगा।

... जहाँ नौ इन्द्रियाँ नियन्त्रित हुई हैं, किन्तु एक हुई नहीं, समझना होगा कि मनरूपी फूल में तब भी कीट लगा हुआ है। यह कीट-दुष्ट फूल पूजा में नहीं लगेगा। किन्तु जहाँ सभी ही इन्द्रियाँ पूर्ण रूप से नियन्त्रित हैं, समझना होगा वहाँ मन के ऊपर आत्मा का सोलह आना अधिकार प्रतिष्ठित हुआ है। इस अवस्था का प्रत्याहार ही सार्थक प्रत्याहार है -- इसको ही कहा जाता है वशीकार सिद्धि; प्रकृति तत्व में अपनी सत्ता मिला दिया है। गोपीभाव में इसे ही कहते हैं कृष्ण शरण।

श्री श्री आनन्दमूर्ति

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

C M Y K

एनएच पर डीजल टैंकर से भिड़ी तेज रफ्तार कार 1 युवक की मौत,2 महिला समेत 4 घायल

अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे पर हुआ हादसा,सूरजपुर जिले के मस्जिदपारा के निवासी हे कार सवार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे पर कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार में शनिवार की सुबह तेज रफ्तार कार की डीजल टैंकर से भिड़ंत हो गई।

हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 2 महिला समेत 4 घायल हो गए। कार सवार सूरजपुर जिले के बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ओवरटेक करने के दौरान यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरु की। सूरजपुर जिले के मस्जिदपारा निवासी अजहर शेख उर्फ जुगनू 34 वर्ष, तौकीर 26 वर्ष, शेख अब्दुल्ला उर्फ पंकज 37 वर्ष, सबाना शेख व साबिया शेख एक ही परिवार के सदस्य हैं। शनिवार की सुबह करीब 9 बजे ये सभी अपनी अल्टो कार में सवार होकर इलाज के लिए बिलासपुर जा रहे थे। वे करीब 11.30 बजे कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर-बिलासपुर एनएच-130 पर ग्राम तानाखार के पास पहुंचे ही थे कि ओवरटेक करने के चक्कर में सामने से आ रहे डीजल टैंकर से कार की भिड़ंत हो गई।

हादसे में कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया तथा उसमें सवार अजहर शेख उर्फ जुगनू की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य घायल हो गए। कार तौकीर चला रहा था। सूचना मिलते ही कटघोरा थाना प्रभारी व तारा पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरु किया।

कार को काटकर निकाला गया तौकीर

हादसे में कार चला रहा तौकीर ड्राइविंग सीट में बुरी तरह फंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद कार को काटकर बाहर निकाला गया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी को इलाज के लिए अपोलो बिलासपुर में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना सूरजपुर के मस्जिदपारा में अन्य परिजनों को हुई तो उनमें हड़कंप मच गया। फोन से उन्होंने घायलों का हाल-चाल लिया। मृतक की 4 वर्ष व 2 वर्ष की बेटियां हैं। उनके सिर से पिता का साया उठ गया।

वाहनों की लगी भीड़

हादसे के बाद नेशनल हाइवे पर घटनास्थल के दोनों ओर वाहनों की लाइन लग गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने कार व टैंकर को सड़क से हटाकर आवागमन शुरु कराया। हादसे का कारण कार द्वारा ओवरटेक करना बताया जा रहा है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति व जिला नेतृत्व की घोषणा,सरगुजा से कई नाम शामिल

गुजा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष,संगठन सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति से भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति एवं जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई है। इस क्रम में भाजपा सरगुजा से श्रीमती फुलेश्वरी सिंह को महिला मोर्चा का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं श्रीमती सोनू तिग्गा,श्रीमती नीलम राजवाड़े,श्रीमती आशा शुक्ला एवं श्रीमती रजनी बिंद को महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है।

साथ ही, भाजपा सरगुजा महिला मोर्चा के नेतृत्व की जिम्मेदारी श्रीमती शुभांगी बिहाड़े को सौंपते हुए उन्हें जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि 'महिला मोर्चा पार्टी संगठन की महत्वपूर्ण कड़ी है। नवनियुक्त पदाधिकारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करेंगे तथा केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। ' नव नियुक्त भाजपा सरगुजा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती शुभांगी बिहाड़े ने कहा कि 'पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूंगी।

महिला सशक्तिकरण, संगठन विस्तार और बूथ स्तर तक मजबूती प्रदान करना मेरी प्राथमिकता रहेगी। सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर भाजपा की नीतियों और विचारधारा को जनता तक पहुँचाया जाएगा। 'भाजपा महिला मोर्चा में हुई इन नियुक्तियों से सरगुजा जिले में संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रदेश नेतृत्व की सहमति से युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति व जिला अध्यक्षों की घोषणा

प्रिया सिंह,दीक्षा अग्रवाल एवं विकास शुक्ला को नई जिम्मेदारी वहीं भाजपा युवा मोर्चा सरगुजा को नया नेतृत्व?

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति से भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति एवं जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई है। इसी क्रम में भाजपा सरगुजा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निशांत सिंह (सोलू) को सौंपी गई है। युवा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों में प्रिया सिंह, दीक्षा अग्रवाल एवं विकास शुक्ला (चंदन) को शामिल किया गया है। वहीं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के रूप में अंकित जायसवाल, अंशुल श्रीवास्तव, मनिष दुबे, अभिनंदन सिंह, शालू कश्यप एवं मारकंडेय तिवारी को नियुक्त किया गया है। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में अमोघ कश्यप एवं हर्ष जायसवाल को शामिल किया गया है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि 'युवा मोर्चा संगठन की रीढ़ है। पार्टी नेतृत्व ने जिन कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है, वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे। युवाओं की ऊर्जा और विचार शक्ति से भाजपा सरगुजा में नए आयाम स्थापित करेगी। ' कन्या शक्ति जिला संयोजिका, भाजयुमो प्रदेश सोशल मीडिया सह प्रभारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं प्रदेश मंत्री भाजयुमो प्रिया सिंह ने कहा कि 'भारतीय जनता पार्टी युवाओं को नेतृत्व देने वाली पार्टी है। युवा मोर्चा के माध्यम से हम सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन की विचारधारा को घर-घर तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। सरगुजा में युवा शक्ति को संगठित कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी।

इस अवसर पर दीक्षा अग्रवाल ने कहा कि 'भारतीय जनता युवा मोर्चा के माध्यम से युवाओं को संगठन से जोड़ना और पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा को जमीनी स्तर तक पहुँचाना हमारा संकल्प है। जो जिम्मेदारी नेतृत्व ने दी है, उसे पूरी निष्ठा और मेहनत से निभाते हुए संगठन को और मजबूत किया जाएगा। ' नव नियुक्त युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष निशांत सिंह (सोलू) ने कहा कि 'प्रदेश एवं जिला नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूँगा। संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को साथ लेकर युवाओं के बीच पार्टी की नीतियों को मजबूती से पहुँचाने तथा भाजपा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य करूँगा। '

नवपदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत ने किया पदभार ग्रहण,जनता की समस्याओं के लिए खुला दरवाजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के नवपदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को अंबिकापुर कलेक्टोरेट में पदभार ग्रहण किया। इसके बाद शनिवार को उन्होंने एक प्रेस वार्ता आयोजित की, जिसमें उन्होंने पत्रकारों से जिले के विकास और प्रशासनिक कार्यों को लेकर अपनी प्राथमिकताओं पर चर्चा की। अजीत वसंत 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं और यह अंबिकापुर जिले के 53वें कलेक्टर के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। कलेक्टर अजीत वसंत का कहना था कि वे पहले भी सरगुजा जिले में अपनी सेवाएं दे चुके हैं और अब यहां जिले के विकास के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, 'सरगुजा एक प्रतिष्ठित जिला है और यहां के विकास में योगदान देना मेरे लिए

गर्व की बात है।' कलेक्टर वसंत ने जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देने की बात की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ अधिकारी-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने की दिशा में सख्त निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर वसंत ने मैनपाट को पर्यटक स्थल के रूप में और बढ़ावा देने का भी ऐलान किया। मैनपाट को छत्तीसगढ़ का शिमला कहा जाता है और इसके पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन द्वारा कई योजनाएं बनाई जा रही हैं। इसके अलावा, कलेक्टर ने मंगलवार और बुधवार को आम जनता की समस्याओं को सुनने के लिए जिला मुख्यालय में उपस्थित रहने का निर्णय लिया है।

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालयीन समय का पालन करने और जिला मुख्यालय छोड़ने से पहले उच्च अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही, उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। अजीत वसंत ने यह भी कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान करना है, और इसके लिए वे हमेशा खुला दरवाजा रखेंगे। उनका मानना है कि पारदर्शिता, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ काम करने से ही प्रशासन में सुधार संभव है और विकास की गति तेज हो सकती है।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण के सम्बन्ध प्रशिक्षण सह कार्यशाला सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में मतदाताओं से प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण हेतु प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया है। इस दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 निर्वाचक नामावली के प्रारूप प्रकाशन तक की अवधि में की जाने वाली कार्यवाहियों के सम्बंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन, घोषणा पत्र, नोटिस जारी किए जाने हेतु सम्भावित परिस्थितियों, परीक्षण एवं जांच, अपील सम्बन्धी प्रावधान, राजनीतिक दलों के साथ सहभागिता और मतदाता सूची साझा किए जाने, एकीकृत निर्वाचक नामावली तैयार किए जाने, मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन किए जाने सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

डीईओ का आदेश हवा में,एक माह बाद भी निजी स्कूलों की मनमानी की नहीं हुई जांच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर और सरगुजा के निजी स्कूलों में छात्रों और उनके अभिभावकों पर हो रहे दबाव और शिक्षा के व्यवसायीकरण की शिकायतें अब प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच गई हैं। आरोप है कि स्कूलों में छात्रों को महंगी प्राइवेट पब्लिकेशन की किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जबकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद एनसीईआरटी की किताबों का उपयोग नहीं किया जा रहा। इसके साथ ही स्कूलों में हर साल फीस में बढ़ोतरी भी की जा रही है, जिसका सीधा असर मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। प्रमुख शिकायतें यह हैं कि निजी स्कूलों में कॉपी, किताबें और अन्य जरूरी सामग्री केवल प्राइवेट पब्लिकेशन से ही खरीदी जाती हैं, जो बहुत महंगी होती हैं। इसके अलावा, बिना किसी वैध कारण के हर वर्ष स्कूल फीस में वृद्धि की जाती है, जिससे अभिभावकों के लिए आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। यह गंभीर मामला पीएमओ तक पहुंचने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इस पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्णय लिया। पीएमओ से पत्र मिलने के बाद, सरगुजा जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) डॉ. दिनेश झा ने एक नौ सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया। जांच कमेटी में अंबिकापुर एसडीएम फागेश सिन्हा को अध्यक्ष बनाया गया, जबकि अन्य सदस्य में बीईओ उदयपुर रविकांत यादव, बीईओ अंबिकापुर प्रदीप राय, प्रिंसिपल रामकुमार यादव, अमरदीप गुप्ता,

संजीव सिंह, एबीईओ आलोक सिंह, रिटायर्ड प्रिंसिपल आर एल बैस, और विनोद गुप्ता शामिल थे। डीईओ ने 10 नवंबर 2025 को जांच कमेटी से रिपोर्ट 10 दिन के भीतर पेश करने का आदेश दिया था, लेकिन एक माह से अधिक समय गुजरने के बावजूद अब तक कोई जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई है। अधिकारियों के अनुसार, एसआईआर (स्कूल इंस्पेक्टर रिपोर्ट) में व्यस्तता के कारण स्कूलों की जांच अभी तक नहीं हो पाई। इस मुद्दे पर संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग संजय गुप्ता ने बताया, 'यह मामला हमारे संज्ञान में आया है, और हम जल्द ही डीईओ से जानकारी लेकर जांच रिपोर्ट मंगवाने के साथ ही उचित कार्रवाई के लिए निर्देशित करेंगे। ' अंबिकापुर में यह मुद्दा अब एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक विषय बन चुका है, जहां अभिभावक निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्कृष्ट भूमिका के लिए पी. एल. व्ही. पुष्यमित्र मलतियार हुए पुरस्कृत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अंबिकापुर में पदस्थ पी. एल. व्ही. पुष्यमित्र मलतियार ने वर्ष 2022 से राष्ट्रीय लोक अदालत में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाई है, जिससे आमजन को सुलभ,त्वरित एवं प्रभावी निःशुल्क विधिक सहायता और लोक अदालत में पहुँच

सुनिश्चित कराने में सहायता मिली है। इस दौरान उन्होंने गांव-गांव, पंचायतों और शिक्षण संस्थानों में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित करके 5000 से अधिक लोगों को लोक अदालत और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी प्रदान की है। राष्ट्रीय लोक अदालत वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 के दौरान उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया, यह सम्मान छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा द्वारा प्रदान किया गया।

ट्रैक्टर ट्राली से दबने से युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बकालो में ट्रैक्टर के ट्राली से दबने के कारण युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय दीपक केरकेट्टा किसी अन्य के ट्रैक्टर से मुरम ढोने का काम कर रहा था। शुक्रवार की शाम 4 बजे जब वह बकालो स्थित फुटबॉल ग्राउंड के पास पहुंचा, तभी अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। इसके चलते दीपक ट्रैक्टर के ट्राली के नीचे दब गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना मिलते ही दरिमा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की।

22 गाड़ीयों पर हो गई कार्रवया,
विना परपिर टेवसी यलाने पर लगाई रोक

परिवहन विभाग की वड़ी कारर्वया,
33 हजार 800 रुपया समन शूक्क वसूला

स्यायी जप्ती के लिए वड़े पेमाने पर
होगी सखत कार्रवा

लापरवाह वाहन मालिकों पर केस के साथ होगी बड़ी कारवीड़ी !

प्रशासनिक कार्रवाई और निगरानी तेज....

बिना वैध दस्तावेजों के चल रही जीप टैक्सियों पर परिवहन विभाग का शिकंजा,22 वाहनों पर कार्रवाई, 33,800 शमन शुल्क वसूल

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,20 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में परिवहन विभाग ने चेकिंग अभियान के दौरान बिना वैध फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, परमिट एवं बीमा के संचालित जीप टैक्सियों पर सख्त कार्रवाई की है। अभियान में 22 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 33,800 (तैंतीस हजार आठ सौ रुपये) शमन शुल्क वसूल कर शासन के खाते में जमा किया गया,परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि ऐसे वाहनों का संचालन न केवल कानून के विरुद्ध है,बल्कि आम जनता के जान-माल के लिए गंभीर खतरा भी बनता है। नियमों की अनदेखी करने वाले जीप टैक्सियों के खिलाफ आगे वृहद स्तर पर जसी अभियान चलाया जाएगा।

विभाग ने टैक्सी संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वैध फिटनेस, प्रदूषण, परमिट, बीमा एवं ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही वाहनों का संचालन करें, जिन व्यावसायिक वाहनों की परमिट आयु पूरी हो चुकी है, उन्हें निजी वाहन श्रेणी में

परिवर्तित कर निजी उपयोग में लिया जा सकता है, 15 वर्ष से अधिक आयु के निजी वाहनों का पंजीयन नवीनीकरण कराकर वैध दस्तावेज पूरे रखें या स्क्रैप पॉलिसी का लाभ उठाएं, जिले में एक ओर जहां परिवहन विभाग अवैध वाहनों पर सख्ती बरत रहा है, वहीं प्रशासन धान खरीदी और पोषण योजनाओं की सतत निगरानी कर रहा है ताकि किसानों और आमजन को समय पर सुविधाएं मिल सकें।

धान खरीदी के बीच कलेक्टर ने ली मिलर्स की समीक्षा बैठक...उठाव में तेजी और पारदर्शिता के निर्देश : जिले में जारी धान खरीदी के बीच कलेक्टर एस. जयवर्धन ने धान मिलर्स की समीक्षा बैठक ली। बैठक में खाद्य विभाग, मार्कफेड, नागरिक आपूर्ति निगम, एफसीआई के अधिकारी एवं राइस मिलर्स उपस्थित रहे, कलेक्टर ने गोदामों की स्थिति, धान उठाव, बारदाना उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि खरीदी केंद्रों से समयबद्ध और निर्बाध उठाव सुनिश्चित किया जाए, उन्होंने मिल पंजीयन अनुबंध, बैंक गारंटी और समितियों में समय पर बारदाना जमा कराने जैसे विषयों पर भी चर्चा की और कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

बिना फिटनेस, पनमिट एवं बीमा के चलते सड़क पर दैंढ़ते जीप-टैल्सियों पर परिवहन विभाग का अंकुश

22 जीप-जण्त
33 हजार से अधिक
सममन शुक्क वसूला

आंगनवाड़ी केंद्रों और रेडी टू ईट प्लांट का निरीक्षण,पोषण गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष जोर

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने विकासखंड भैयाथान के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों एवं रेडी टू ईट प्लांट का निरीक्षण किया,निरीक्षण के दौरान बच्चों और गर्भवती महिलाओं को दी जा रही सेवाओं,पोषण आहार की गुणवत्ता, उपस्थिति पंजी और स्वच्छता की समीक्षा की गई, रेडी टू ईट प्लांट में निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण एवं भंडारण व्यवस्था का जायजा लेते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तायुक्त पोषण आहार का निर्माण व वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को आंगनवाड़ी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य पर टीएस सिंहदेव की समीक्षा बैठक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में शनिवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने समीक्षा बैठक की। एसआईआर की प्रक्रिया के प्रारंभ होने के उपरांत ये उनकी द्वारा ली गई चौथी समीक्षा बैठक है। इस बैठक में एसआईआर को लेकर गठित लोकसभा, विधानसभा, ब्लॉक कांग्रेस के प्रभारी और सहप्रभरियो के अतिरिक्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्ष मौजूद थे। एसआईआर में गणना प्रपत्र के वितरण और उनके एकत्रीकरण के लिए पूर्व निर्धारित तिथि 4 दिसंबर को दो बार 7-7 दिनों तक बढाने के उपरांत 18 दिसंबर इसकी अंतिम तिथि थी। समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 23 दिसंबर को मतदाता सूचियों का मसौदा प्रकाशन के बाद पार्टी के मंडल अध्यक्ष और बीलओ पर महत्वपूर्ण जवाबदेही आ जायेगी। प्रकाशित मतदाता सूचियों में जिन वैध मतदाताओं का नाम नहीं आयेगा उनके सहयोग के लिए दावा प्रस्तुत करना होगा। साथ ही मतदाता सूचियों में जुड़े गलत नमो को भी तलाश कर इन नमो पर अपनी आपत्ति दर्ज करानी होगी। गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण में बीएलओ के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि बूथ पर बीएलओ के हाथ में ही पार्टी की पूरी बागडोर है।

उन्होंने कांग्रेस के सभी वरिष्ठ, कनिष्ठ नेताओं सहित सभी पदाधिकारियों को तत्काल एक एक बूथ की जिम्मेदारी लेने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि सभी अपने अपने बूथ का नम्बर जिला कांग्रेस कमेटी को देकर तत्काल प्रभाव से उस बूथ पर एसआईआर के प्रबंधन में बीएलओ को सहयोग प्रदान करें।

पहाड़ी कोरवा ग्राम कुदर एवं पटोरा पहुंचे नव पदस्थ कलेक्टर

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजो को समय पर उपचार उपलब्ध कराने,आंगनबाड़ी भवन,महतारी सदन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

नव पदस्थ कलेक्टर श्री अजीत वसंत आज लुण्ड्रा विकासखंड के पहाड़ी कोरवा ग्राम कुदर एवं पटोरा पहुंचे। यहाँ वे पीएम आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आयोजित ग्रामीण आवास पखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्राम कुदर में स्वीकृत एवं पूर्ण आवासों की जानकारी ली तथा अपूर्ण आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने पीएम जनमन आवास योजना के अंतर्गत शौचालय निर्माण हेतु आवश्यक योजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने वृद्धा पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, आंगनबाड़ी केंद्र, पेयजल एवं सड़क व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक सुधार हेतु दिशा-

निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटोरा का निरीक्षण भी किया। यहाँ उन्होंने स्वास्थ्य स्टाफ की समय पर उपस्थिति पंजी, दवाइयों की उपलब्धता, संस्थागत प्रसव की स्थिति, साफ-सफाई व्यवस्था एवं स्टोर रूम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देते हुए सुरक्षित प्रसव के साथ माहवार प्रसव की जानकारी संधारित करने तथा रिक्त पदों की जानकारी शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहाँ आने वाले मरीजों को समय पर समुचित उपचार मिले। कलेक्टर श्री वसंत ने ग्राम पटोरा में निर्माणाधीन महतारी सदन का निरीक्षण कर महिला स्व-सहायता समूहों एवं सीएलएफ को सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन पूर्ण होने के पश्चात सदन को कार्यशील करने तथा इसके नियमित संचालन हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त निर्माणाधीन सीएससी सेंटर का निरीक्षण कर आवश्यक सेवाओं के संचालन के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र को मार्च माह तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, एपीओ डॉ. प्रशांत शर्मा, जनपद सीईओ सुश्री प्रति भगत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलयुगी पिता ने नाबालिग बेटी के साथ किया दुष्कर्म,पहले पत्नी के साथ करता था ये घिनौना काम... पीड़िता ने मां को बताई आपबीती

-संवाददाता-
कोरबा,20 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक बेहद शर्मनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपनी ही 13 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। यह मामला पसान थाना क्षेत्र के ग्राम अमझर का है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी की पत्नी लंबे समय से उसके दबावपूर्ण शारीरिक संबंध बनाने की जिद से परेशान थी। इसी कारण वह कुछ दिनों पहले अपने रिश्तेदारों के घर चली गई थी। इस दौरान घर में आरोपी और उसकी 13 साल की नाबालिग बेटी अकेले थे। मौका पाकर आरोपी की नियत बिगड़ गई और उसने अपनी ही बेटी के साथ हैवानियत दिखाते हुए दुष्कर्म किया। यह वारदात घर में ही अंजाम दी गई, जब बेटी पूरी तरह असहाय और अकेली थी।

पीड़िता ने मां को बताई आपबीती

पीड़िता ने इस जघन्य अपराध के बाद रात में ही अपनी मां को फोन करके पूरी आपबीति सुनाई। मां के लौटने के बाद सुबह दोनों थाने पहुंचीं और पसान पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के साथ-साथ पॉक्सो एक्ट (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेज एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही, पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है और उसकी काउंसलिंग की व्यवस्था की जा रही है। यह घटना रिश्तों की पवित्रता को तार-तार करने वाली है। एक पिता, जो बच्चे का संरक्षक और रक्षक होता है, उसी ने अपनी हवस की भेंट अपनी मासूम बेटी को चढ़ा दिया। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गुस्सा है और वे आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं।

तहसीलदार ने समस्या सुनने के बजाय किसान को धमकाया

-संवाददाता-
रामानुजगंज,20 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और समर्थन मूल्य पर सुदृढ़ धान खरीदी व्यवस्था ने प्रदेश के किसानों के जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मविश्वास का नया संचार किया है। शासन द्वारा 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी तथा समय पर भुगतान से किसानों का खेती के प्रति भरोसा और उत्साह दोनों बढ़ा है। लेकिन दूसरी ओर अधिकारियों की ओर से किसानों के साथ बदसलूकी का मामला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। किसान को धमकी देने का ऐसा ही एक मामला वाड्रफनगर के बरती धान खरीदी केंद्र से सामने आया है, जहां तहसीलदार ने

किसान की समस्या सुनने के बजाए उन्हें अंदर करवाने की धमकी दी है। मिली जानकारी के अनुसार बरती धान खरीदी केंद्र में किसान खरीदी केंद्र के प्रबंधक से हमाली के भुगतान को लेकर सवाल-जवाब कर रहा था। किसान का आरोप है कि हमाली के पैसे समय पर नहीं दिए जा रहे थे, इसी मुद्दे को लेकर वह अपनी बात रखना चाहता था। लेकिन मौके पर मौजूद तहसीलदार दिनेश नेट्टी ने किसान की समस्या सुनने के बजाए उन्हें धमकाते हुए कहा कि अपनी बात रखने के लिए समय ले लीजिए, काम में बाधा मत डालिए कहने लगे। तहसीलदार साहब यहीं नहीं रूके उन्होंने अपने सहयोगी से पुलिस को कॉल करने की बात भी कह डाली।

चयनित होकर आरक्षक के पद पर 10 नव आरक्षकों को नियुक्ति

संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस आरक्षक संवर्ग भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2023-2024 में चयनित 10 अभ्यर्थियों ने आज दिनांक 20/12/2025 को जिला पुलिस बल सरगुजा में आरक्षक जी. डी. के पद पर आमद दर्ज कराई। चयनित अभ्यार्थियों को पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा आईपीएस एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल आईपीएस द्वारा नियुक्ति आदेश एवं नियुक्ति प्रमाण पत्र देकर सभी 10 अभ्यार्थियों का पुलिस जिला बल में अपनी सेवाएँ देने के लिए शुभकामनाएँ दी।

सूची

1. नंदकुमार सिंह आत्मज श्री जगेश्वर पैंकरा ,पता - ग्राम चिरंगा, मंझपारा तहसील बतौली, जिला - सरगुजा,
2. जिग्नेश कुमार सिंह आत्मज श्री सैनी राम, पता - ग्राम सोनतराई तहसील उदयपुर जिला - सरगुजा,
3. रोहित कुमार राजवाड़े आत्मज श्री राजेश कुमार, पता - ग्राम गंगटियापारा पुखरता तहसील लखनपुर,
4. सतीश कुमार आत्मज श्री होम सिंह, पता - दौलतपुर तहसील उदयपुर जिला - सरगुजा,
5. आलम सिंह आत्मज श्री कमल सिंह, पता - ग्राम खड़गांव अरगोती , जिला - सरगुजा,
6. प्रियंका भगत आत्मज श्री राजेश्वर भगत, पता - पटेलपारा, अंबिकापुर, जिला - सरगुजा,
7. रंजीत आत्मज श्री रीझन राम, पता - पेटला चौक, कोयलापानी थाना सीतापुर जिला - सरगुजा,
8. जीवित कुमार आत्मज श्री रीमन, पता - चेनपुर, पोस्ट प्रतापगढ़ राजखेता , जिला - सरगुजा,
9. विंदेश्वर सिंह सिंह आत्मज श्री भरत सिंह, पता - महेशपुर, पोस्ट लक्ष्मणगढ़, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा,
10. भुवंती आत्मज श्री लखन राम, पता - ग्राम परसा, पोस्ट डांडगाँव , तहसील उदयपुर, जिला - सरगुजा, नव नियुक्त आरक्षक आज से पुलिस विभाग में अपनी सेवाएँ देंगे 10 नव आरक्षकों में से पाँच ने पूर्व में नगर सेना में चयनित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत अपनी सेवाएँ दे रहे थे।

सरगुजा पुलिस के डायल 112 कर्मचारियों ने ठंड से काँपते हुए बुजुर्ग महिला को कंबल देकर सखी सेंटर पहुंचाया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

डायल 112 के आरक्षक अनिल रजवाड़े एवं चालक वीरेंद्र ने रात्रि गश्त के दौरान सत्ती पारा अंबिकापुर में देखा कि एक बुजुर्ग महीला ठण्ड में सड़क किनारे बैठी ठंड से कांप रही थी जिसे तत्काल कंबल देकर ठण्ड से सुरक्षित कर गाड़ी में बैठाया। महिला से उसके घर के बारे में पूछने पर घर का पता बता पाने में असमर्थ थी जिस कारण डायल 112 के कर्मचारियों द्वारा बुजुर्ग महिला को

दर्रिपारा स्थित वन स्टॉप सखी सेंटर सुरक्षित पहुँचाया एवं अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

कोरिया-सूरजपुर सीमा के 17 गांवों में बिजली समेत बुनियादी सुविधाओं को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन

पांच दिनों से जारी धरना,ग्रामीणों का ऐलान,जब तक बिजली नहीं,तब तक आंदोलन जारी...

- कोरिया-सूरजपुर सीमा के 17 गांव अंधेरे में, बिजली के लिए अनिश्चितकालीन आंदोलन तेज
- जब तक बिजली नहीं, तब तक धरना...कड़ाके की ठंड में पांचवें दिन भी जारी ग्रामीणों का संघर्ष
- बिजली के अभाव में रुकी शादियां, पढ़ाई और संचार—ग्रामीणों का जीवन ठप
- सौर प्लांट बेदम, सड़क-पेयजल भी बदहाल
- बरंगा नदी पर पुल नहीं, मरीज पीठ पर ढोए जा रहे
- गैर-राजनीतिक आंदोलन, 16 पंचायतों की सर्वसम्मति

मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में गांव,फिर भी दशकों से अंधेरा,आजादी के बाद भी बिजली नहीं...मांग पूरी होने तक आंदोलन नहीं रुकेगा...

-ओंकार पाण्डेय-

कोरिया/सूरजपुर 20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के विकास के दावों के बीच छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों की सच्चाई एक बार फिर सामने आ गई है, कोरिया जिला और सूरजपुर जिला की सीमा से लगे 17 गांवों में बिजली, सड़क और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन आंदोलन पांचवें दिन भी जारी है, कड़ाके की ठंड में 24 घंटे चल रहे इस धरने में ग्रामीणों ने साफ कहा है जब तक बिजली गांवों तक नहीं पहुंचेगी, आंदोलन नहीं रुकेगा, विकास के दावों के बीच कोरिया-सूरजपुर सीमा के ये गांव आज भी अंधेरे,कच्चे रास्तों और असुरक्षित नदी पार करने को मजबूर हैं,सवाल सीधा है क्या अब बुनियादी सुविधाएं जमीन पर उतरेंगी,या आंदोलन की आग और तेज होगी?

दशकों से अंधेरे में गांव...

ओड़गी विकासखंड के बिहारपुर तहसील अंतर्गत सीमावर्ती इलाकों में आज भी बिजली नहीं पहुंच पाई है। डिजिटलीकरण के दौर में इन गांवों में न तो नियमित विद्युत आपूर्ति है,न ही पक्की सड़कें और न ही सुरक्षित पेयजल। सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए तो गए,लेकिन अपर्याप्त बैकअप और खराब रखरखाव के कारण वे ग्रामीणों की जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहे,ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है,कई गांवों तक पहुंचने का रास्ता इतना दुर्गम है कि चार पहिया वाहन तो दूर,बाइक से भी पगडंडियों के सहारे जोखिम उठाकर जाना पड़ता है,आंदोलन की पृष्ठभूमि और मांगें ये है की कोरिया सीमा से लगे सूरजपुर जिले के रसौकी,लुल्ह, खोहिर,महुली, उमझर, रामगढ़,कच्छवारी,मोहरशोप,बसनारा,जुड़वनिया, बैजनपाठ,दुधनिया,कैलाशनगर,भुसकी,छतरंग, वनगवां समेत अन्य आश्रित ग्रामों में आज तक बिजली नहीं पहुंची है।

रसौकी की त्रासदीः नदी,सड़क और पुल,तीनों का अभाव

सूरजपुर जिले की ग्राम पंचायत रसौकी (कोरिया की सीमा पर) से गुजरने वाली बरंगा नदी इतनी घुमावदार है कि रसौकी-उमझर मार्ग पर तीन बार नदी पार करनी पड़ती है, पुल न होने से ग्रामीण रोज जान जोखिम में डालते हैं,ग्रामीण महेश यादव और अवध यादव के अनुसार,हाल ही में एक बीमार ग्रामीण को अस्पताल ले जाने के लिए पीठ पर बैठाकर नदी पार कराई गई, फिर बाइक को कंधे पर उठाकर दूसरी ओर ले जाया गया,यह मार्ग कोरिया-सूरजपुर (बिहारपुर) मुख्य संपर्क माना जाता है, लेकिन करीब 20 किमी कच्ची सड़क, पुल का अभाव और बिजली नहीं—यही आज की हकीकत है।

यह लड़ाई विकास और अधिकार की है...

पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने कहा यह लड़ाई विकास और अधिकार की है, अंतिम गांव तक बिजली पहुंचेगी,तभी यह आवाज थमेगी।

ग्रामीणों की मुख्य मांगें

- विद्युत विस्तार (ग्रिड कनेक्शन)
- पक्की सड़कें
- शुद्ध पेयजल व्यवस्था

ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूर्णतः गैर-राजनीतिक है और सभी पंचायतों की सर्वसम्मति से चलाया जा रहा है।

पढ़ाई से लेकर शादियों तक प्रभावित-

बिजली के अभाव का असर बच्चों की पढ़ाई, संचार सुविधाओं और युवाओं के वैवाहिक जीवन तक पर पड़ रहा है। मोबाइल नेटवर्क कमजोर है, ऑनलाइन पढ़ाई असंभव है और अंधेरे के कारण सुरक्षा की चिंता अलग। ग्रामीण बताते हैं कि बिजली न होने के कारण कई शादियां टल चुकी हैं।

ग्रामीणों की आवाज

- **लक्ष्मण जायसवाल (आंदोलनकारी) :** आजादी के बाद भी बिजली नहीं आई, पढ़ाई, शादी सब प्रभावित है, मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

- **गजमोचन सिंह (आंदोलनकारी) :** 'मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ तक कई सरकारें आई-गई, पर बिजली नहीं आई। अब पीछे हटने का सवाल नहीं।

- **जितेंद्र साकेत (आंदोलनकारी) :** 16 पंचायत और 26 आश्रित ग्राम अंधेरे में हैं, सरकार को हमारी मांग सुननी होगी।

- **तुलसी जायसवाल (आंदोलनकारी) :** लंबे समय से कोई सुनवाई नहीं हुई, इसलिए जनसहयोग से आंदोलन शुरू किया।

मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में गांव

रसौकी, उमझर, बैजनपाठ, मोहरशोप, भुसकी, कैलाशनगर सहित कई गांव भटगांव विधानसभा में आते हैं, जो मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का क्षेत्र है, ग्रामीणों को उम्मीद है कि बचे हुए करीब 12 किमी कच्चे मार्ग का पक्कीकरण और विद्युत विस्तार अब पूरा होगा, रसौकी से बिहारपुर की दूरी करीब 30 किमी बताई जाती है, जिसमें आंशिक सड़क निर्माण पूर्व सरकारों में हुआ, लेकिन अधूरा है।

राजनीतिक समर्थन भटगांव विधानसभा के चांदनी

बिहारपुर क्षेत्र में चल रहे धरने को पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े सहित कांग्रेस नेताओं का समर्थन मिला,जिला अध्यक्ष शशि सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष भगवती राजवाड़े,जिला महामंत्री राजू सिंह,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष आशीष यादव,जनपद सदस्य संतोष सिंह, लवकेश गुर्जर,विनय सिंह,नीरज सिंह समेत अन्य नेता अलग-अलग दिनों में धरनास्थल पहुंचे।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202512020700071

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

अंबिकापुर प.ह.न. 00015
[2480/13(0.0310 हे0)]
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार- गजाला बेगम,
अनावेदक पक्षकार- परवीन बानो

ईश्तहार

आवेदिका गजाला बेगम पति कुतुब निवासी मोहल्ला मोमिनपुरा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2480/ 13 रकबा 0.031 हे0 मेसे 02 डिसमिल भूमि के राजस्व अभिलेखो में हिब्बानामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07-01-2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/12/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0... /अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आवेदक भुनेश्वर आ0 स्व. रामधनी, जाति उरांव, निवासी ग्राम ईमलीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम ठाकुरपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 239, 245/1, 338, 340, 388, 390/2 रकबा क्रमशः 0.110, 0.160, 0.050, 0.220, 0.100, 0.340 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध वसीयतनामा दिनांक 06.05.2024 को निष्पादित वसीयत के आधार पर वसीयतकर्ता मु0 तेन्देली पत्नी स्व0 रामधनी का नाम विलोपित कराकर, अपना नाम दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/12/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 05/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश के लिए सड़क सुरक्षा कार्यक्रम सक्रिय

-संवाददाता-

सूरजपुर,20 दिसम्बर 2025(घटती-घटना)। बिना वैध ड्रायविंग लाइसेंस के वाहन चालन न केवल सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है,बल्कि दुर्घटना की स्थिति में पीड़ित परिवार को बीमा/क्लेम से भी वंचित होना पड़ता है। जिले में बढ़ती अप्रत्याशित सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से शासन स्तर पर विभिन्न सड़क सुरक्षा कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, इन उपायों का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, नियमों का स्वैच्छिक पालन सुनिश्चित करना और अंततः सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। शासन का मानना है कि प्रशासन, वाहन विक्रेता और वाहन चालक–तीनों की साझी जिम्मेदारी से ही सड़क सुरक्षा का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

वाहन विक्रेताओं की नैतिक जिम्मेदारी...

शासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि वाहन विक्रेताओं की भी नैतिक जिम्मेदारी है,विक्रेताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि वाहन क्रेता के पास वैध ड्रायविंग लाइसेंस हो,वह यातायात नियमों और ट्रैफिक चिन्हों की बारीकियों से परिचित हो हेल्मेट पहनकर ही दोपहिया वाहन चलाने की आदत डाली जाए।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला बलरामपुर-रामानुजगंज
मुख्यालय बलरामपुर (छ0ग0)

फोन नम्बर 07831-299063 ई-मेल :- acbalrampur@gmail.com

= संक्षिप्त द्वितीय ई-निविदा सूचना =

क्रमांक/ 2996 निर्माण/आ.वि./2025/बलरामपुर, दिनांक-17 दिसंबर 2025

आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा अनुसूचि दर पुस्तिका छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर ई-निविदा के माध्यम से प्रतिशत दर पर द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी तिथि दिनांक 16.12.2025 से दिनांक 29.12.2025 तक रहेगी ।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा प्रपत्र की राशि
1	2	3	4	5	6	7
1	181763	पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास बलरामपुर भवन निर्माण	1,89,70,000	1,42,500	12 माह	3000.00

निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in देखी जा सकती है ।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी नंबर-252605574/5

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा0) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार जनकपुर में उपलब्ध नये, पुराना ईमारती काष्ठ एवं नये पुराना जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई - ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार जनकपुर से प्राप्त कर सकते है ।

डिपो का नाम - काष्ठागार जनकपुर
नीलाम दिनांक - 30-12-2025
नीलाम समय - प्रातः 09:00 बजे से प्रारंभ

क्र	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ बल्ली			
		लट्ठा	बल्ली	लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ0मी0	नग	घ0मी0	नग	घ0मी0
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	0	0	366	27.585	3693	41.491
2	साल	16.000	5	11850	1241.153	2007	51.484
3	साजा	2.000	0	217	25.333	54	1.308
4	हल्दू,मुण्डी,बांसा	0	0	13	1.016	0	0.000
5	धावड़ा	2.000	0	18	2.049	0	0.000
6	सतकठा	0	0	36	5.208	2	0.089
	योग-	20	5	12500	1302.344	5756	94.372
7	मिश्रित जलाऊ	50 चट्टा नया		150 चट्टा पुराना			
योग -		50 चट्टा नया		150 चट्टा पुराना			

टीप -
01. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई - कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।
02. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
03. लाट की थप्पी एवं फोटो एम. एस.टी.सी. ई-ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,मनेन्द्रगढ

जी नंबर-252605597/3

हरे पेड़ों पर सरकारी आरा...जब 'रक्षक' ही बन जाएं 'भक्षक'

दिनदहाड़े हरे पेड़ की बलि! कानून के रखवाले ही बने पर्यावरण के हत्यारे?

- कोरिया वन मंडल कार्यालय परिसर में नीम का हरा-भरा पेड़ काटा गया,वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल
- जिस विभाग की जिम्मेदारी हरियाली बचाने की,वही अपने आंगन में चला रहा आरा!

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिस विभाग के कंधों पर वन, पर्यावरण और हरियाली की रक्षा की जिम्मेदारी है,उसी विभाग के कार्यालय परिसर में हरे-भरे नीम के पेड़ की दिनदहाड़े कटाई यह सिर्फ विडंबना नहीं,बल्कि प्रशासनिक नैतिकता का खुला पतन है,यह घटना कोरिया वन मंडल के परिसर की है, सवाल यह नहीं कि एक पेड़ क्यों काटा गया सवाल यह है कि किस अधिकार,किस अनुमति और किस सोच के तहत? दिन-दहाड़े कोरिया वन मंडल कार्यालय के भीतर नीम का हरा-भरा पेड़ काटा जा रहा है, सवाल सीधा और गंभीर है क्या शहर के भीतर, वह भी डीएफओ कार्यालय परिसर में, पेड़ काटने के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती? या फिर नियम केवल आम नागरिकों के लिए हैं? जिस विभाग पर वन,पर्यावरण और हरियाली की रक्षा की जिम्मेदारी है, वही विभाग अपने ही परिसर में हरे पेड़ों की कटाई करता नजर आ रहा है, यह न सिर्फ दोहरे मापदंड को उजागर करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण पर सरकारी दावों की साख पर भी सवाल खड़ा करता है।

कानून सिर्फ जनता के लिए?

जब आम नागरिक अपने घर के सामने सूखी डाल काटता है, तो उससे एनओसी,परमिशन,जुर्माना और केस तक की बात होती है,लेकिन जब वही काम वन विभाग खुद करता है,तो क्या नियम स्वतः स्थगित हो जाते हैं? अगर विभागीय परिसर में पेड़ काटने के लिए भी लिखित अनुमति, तकनीकी कारण,पर्यावरणीय आकलन,प्रतिपूरक वृक्षारोपण की योजना जरूरी नहीं तो फिर जनता से नियमों की उम्मीद क्यों?

खोखले दावे,नंगी हकीकत

एक तरफ पोस्टर, नारे और अभियान पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ और दूसरी तरफ सरकारी कैंपस में हरे पेड़ों की बलि, यह सिर्फ दोहरा मापदंड नहीं,यह पर्यावरणीय पाखंड है,नीम जैसा पेड़जो ऑक्सीजन, औषधीय गुण और शीतलता देता है अगर वह भी 'असुविधा' बन जाए,तो सोचिए जंगलों की हालत कैसी होगी?

जिम्मेदारी तय होनी चाहिए...

यह मामला किसी चेनसॉ ऑपरेटर का नहीं, बल्कि फैसला लेने वालों का है, आदेश देने वालों का है, और नजरअंदाज करने वालों का है क्या इस कटाई की फाइल सार्वजनिक की जाएगी? क्या जिम्मेदार अधिकारी जवाब देंगे? या फिर यह भी 'सरकारी परिसर का अंदरूनी मामला' बनकर दफन हो जाएगा?

अंतिम सवाल

अगर वन विभाग ही पर्यावरण कानूनों का पालन नहीं करेगा,तो फिर जंगलों की रक्षा कौन करेगा? कानून सबके लिए बराबर है–यह सिद्धांत भाषणों में नहीं, आचरण में दिखना चाहिए,वरना कल को जब जंगल उजड़ेंगे,हवा जहरीली होगी और तापमान असहनीय तो दोष पेड़ों का नहीं,उन हाथों का होगा जिन्होंने उन्हें काटा, यह सिर्फ एक पेड़ की कहानी नहीं है यह उस सिस्टम की तस्वीर है,जो हरियाली को भाषणों में पूजता है और हकीकत में काट देता है।

जिला मुख्यालय में विशाल हिंदू महासंगम का आयोजन

हमारे लिए राष्ट्र प्रथम होना चाहिए,राष्ट्रीय निर्माण में योगदान हमारा दायित्व : अभय राम

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला मुख्यालय सूरजपुर में विशाल हिंदू महासंगम का आयोजन किया गया। थाना सूरजपुर के सामने पुराना बस स्टैंड परिसर में आयोजित इस सम्मेलन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक अभय राम ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में नागपुर के मोहिते वाड़ा में डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा की गई थी, कुछ लोगों से प्रारंभ हुआ यह संगठन आज विश्व का सबसे बड़ा संगठन बन चुका है और पूरी दुनिया संघ की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रही है, हिंदू महासंगम के माध्यम से राष्ट्र प्रथम, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी विचार को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त प्रयास किया गया।

हिंदू जीवन पद्धति और परिवार व्यवस्था पर जोर : अभय राम ने कहा कि संघ हिंदू परिवार व्यवस्था पर विश्वास करता है। भारतीय जीवन मूल्य और हिंदू जीवन पद्धति श्रेष्ठ और अनुकरणीय हैं, उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब महारानी विक्टोरिया भारत आई थीं, तब भारतीय परिवार व्यवस्था से वे अत्यंत प्रभावित हुई थीं,उन्होंने आह्वान किया कि परिवार में अनौपचारिक संवाद हो एक साथ भोजन और सप्ताह में एक दिन सामूहिक पूजा हो, परिवार सहित भ्रमण की योजना बने, घर वास्तु आधारित,परिधान भारतीय,बोलचाल हिंदी/मातृभाषा में हो हस्ताक्षर हिंदी में करने की आदत डाली जाए।

पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी का संदेश : उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज सबसे बड़ी आवश्यकता है,एक व्यक्ति के जीवन के लिए लगभग 240 पेड़ों की आवश्यकता होती है,समाज को वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाना चाहिए, प्लास्टिक पर्यावरण का सबसे बड़ा अभिशाप है,इसका न्यूनतम उपयोग करें जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं साथ ही उन्होंने स्वदेशी अपनाने,देश में बने उत्पादों के उपयोग, कानून पालन और नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन पर भी जोर दिया।

ऊंच-नीच की भावना समाज को कमजोर करती है : अभय राम ने कहा कि हिंदू समाज को ऊंच-नीच की भावना कमजोर कर रही है। जब भगवान श्रीराम निषादराज को गले लगाते हैं और शबरी माता के जूठे बेर स्वीकार करते हैं, तो समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वीकार्य नहीं होना चाहिए, उन्होंने सभी से सामाजिक समरसता अपनाने का आह्वान किया।

आदिवासी समाज से धर्मांतरण पर चिंता : कार्यक्रम में उपस्थित विमला भगत (उरांव समाज की सचिव) ने कहा कि आदिवासी समाज के लोग प्रलोभन में आकर धर्म परिवर्तन कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि बच्चों को घर से ही हिंदू संस्कार और जीवन मूल्य दिए जाने चाहिए।

सम्मान और समापन: कार्यक्रम में महादेव बस्ती के सभी समाज प्रमुखों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती का आयोजन किया गया, आभार प्रदर्शनः पवन अग्रवाल, मंच संचालनः हिमांशु अग्रवाल कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनोज जायसवाल, शंकर अग्रवाल, अमरदीप देवांगन,अंकुर तिवारी,आनंद सोनी, शशिकांत गर्ग, हिमांशु जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण को लेकर भाजपा की विधानसभा स्तरीय कार्यशाला संपन्न

एसआईआर में बीएलए-2 और बूथ अध्यक्षों की भूमिका निर्णायक : शिवनाथ यादव

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण एवं संगठनात्मक कार्यों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की विधानसभा स्तरीय कार्यशाला रामानुजनगर के मंगल भवन में आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता मुरली मनोहर सोनी ने की, कार्यशाला में बतौर अतिथि जिला संगठन प्रभारी शिवनाथ यादव,प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, कोरिया के पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भीमसेन अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष रामकृपाल साहू सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे,कार्यशाला का उद्देश्य दूसरे चरण के कार्यों को प्रभावी, सटीक और संगठित ढंग से संपादित करने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित व प्रेरित करना रहा,ताकि मतदाता सूची का शुद्धिकरण सुनिश्चित हो और आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूती मिले।

एसआईआर 2003 के बाद पहली बार, शुद्धिकरण का बड़ा अवसर

कार्यशाला को संबोधित करते हुए संगठन प्रभारी शिवनाथ यादव ने कहा कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण 2003 के बाद पहली बार निर्वाचन आयोग द्वारा कराया जा रहा है, जिसे मतदाता सूची का शुद्धिकरण भी कहा जाता है, उन्होंने कहा पहला चरण पूर्ण हो चुका है,अब दूसरे चरण में बीएलए-2 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है,यदि इस चरण में कार्यकर्ता पूरी मेहनत करेंगे तो इसका लाभ न केवल पार्टी को,बल्कि स्थानीय चुनाव लड़ने वाले कार्यकर्ताओं को भी मिलेगा।

बूथ से ही बनते हैं प्रतिनिधिःमरावी

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि दूसरे चरण में कार्यकर्ताओं को और अधिक सक्रियता के साथ जुटना होगा, उन्होंने कहा बूथ कार्यकर्ता ही पंच,सरपंच,बीडीसी,डीडीसी, पार्षद, विधायक और सांसद बनाते हैं, साथ ही उन्होंने अपने दो वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को साझा किया।

संभावित गड़बड़ियों को रोकना जरूरी : कृष्ण बिहारी जायसवाल

पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण में संभावित गड़बड़ियों को रोकें और अपने मतदाताओं का नाम हर हाल में सूची में जुड़वाएं,उन्होंने बूथ अध्यक्ष और बीएलए-2 की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया,कार्यशाला को जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी,भीमसेन अग्रवाल एवं रामकृपाल साहू ने भी संबोधित किया,कार्यक्रम का संचालन शशिकांत गर्ग ने किया,रामानुजनगर मंडल अध्यक्ष पवन सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया,जबकि आभार प्रदर्शन रामानंद जायसवाल ने किया।

भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस नेता

इस महत्वपूर्ण कार्यशाला के दौरान कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक निरंजन सिंह के परिवार ने बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की,इस अवसर पर उनकी बेटी अनीता सिंह, अजेंद्र सिंह और भूपेंद्र सिंह सहित अनेक समर्थक मौजूद रहे।

मंडलवार समीक्षा

कार्यशाला के बाद जिला प्रभारी एवं वरिष्ठ नेताओं द्वारा प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के सभी छह मंडलों रामानुजनगर,प्रेमनगर,देवनगर,सूरजपुर शहर, सूरजपुर ग्रामीण और बिश्रामपुर की मंडलवार समीक्षा की गई,इस दौरान सभी शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बीएलए-2 ने एसआईआर प्रथम चरण में किए गए कार्यों की जानकारी दी।

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत नयनपुर में श्रमिक पंजीयन शिविर, दो शिविरों में 110 नए श्रमिकों का हुआ पंजीयन

-संवाददाता-
सूरजपुर, 20 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत जिले में श्रमिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा नयनपुर में श्रमिक पंजीयन शिविरों का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कार्यालय, नयनपुर परिसर तथा कोल्ड स्टोरेज परिसर में आयोजित किए गए। शिविरों में श्रम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमिकों का पंजीयन करते हुए उन्हें श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी। बड़ी संख्या में श्रमिकों ने शिविर में पहुंचकर पंजीयन कराया और योजनाओं के प्रति रुचि दिखाई, जिला प्रशासन का उद्देश्य ऐसे शिविरों के माध्यम से श्रमिकों को शासन की योजनाओं का सीधा लाभ उपलब्ध कराना तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा से जोड़ना है। सुशासन सप्ताह के तहत आगे भी इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से श्रमिक हितों को मजबूत करने के प्रयास जारी रहेंगे।

पंजीयन का विवरण- कोल्ड स्टोरेज परिसर

30 नए श्रमिकों का पंजीयन, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, नयनपुर : 80 श्रमिकों का पंजीयन, कुल पंजीयन : 110 श्रमिक, शिविर स्थलों पर श्रमिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं, जिससे पंजीयन प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हुई और किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई।

अवतार 3 में गोविंदा ने किया डेब्यू?

सोशल मीडिया पर वायरल हो गई तस्वीर

हाल ही में, अवतार 3 में गोविंदा के कैमियो की अफवाहें तेज है। इंटरनेट पर उनकी तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं। वहीं गोविंदा ने बहुत पहले कहा था कि उन्होंने जेम्स कैमरन की अवतार का ऑफर ठुकरा दिया था। एक्टर ने बताया कि उन्हें इसके लिए 18 करोड़ रुपये ऑफर किए गए थे।

कुछ समय पहले ही धुरंधर की धुआंधार पारी के बीच जेम्स कैमरन की अवतार 3 रिलीज हुई है। वहीं कई साल पहले, गोविंदा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें अवतार फिल्म का ऑफर मिला था और उस समय जेम्स कैमरन एक्टर्स के शरीर पर पेंट करना चाहते थे। हीरो नंबर 1 एक्टर ने दावा किया था कि उन्होंने फिल्म ठुकरा दी थी। लेकिन अब लगता है कि आखिरकार गोविंदा और जेम्स कैमरन ने अवतार- फायर एंड ऐश में उन्हें काम मिल गया है। कुछ इंटरनेट यूजर्स अवतार 3 देखते हुए थिएटर से तस्वीरें शेयर कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि गोविंदा ने फिल्म में कैमियो किया है।

यूजर्स ने किए मजेदार कमेंट

खैर, इससे पहले कि आप इन तस्वीरों को असली समझें,हम आपको बता दें कि एक्टर ने फिल्म में कैमियो नहीं किया है और ये तस्वीरें या तो फोटोशॉप की गई हैं या फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाई गई हैं। वहीं फैंस इस तस्वीर पर मजेदार रिएक्श दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, जेम्स कैमरन ने गोविंदा को अवतार 3 में कैमियो करने के लिए मना ही लिया होगा। एक अन्य यूजर ने लिखा,गोविंदा ने आखिरकार जेम्स कैमरन की अवतार फिल्म के लिए हां कह दी।गोविंदा ने कई साल पहले रजत शर्मा के साथ एक इंटरव्यू में अवतार के बारे में बात की थी। लेकिन, इस साल की शुरुआत में, अभिनेता ने मुकेश खन्ना के साथ बातचीत के दौरान एक बार फिर इस विषय पर चर्चा की।

गोविंदा ने खुद दिया था बयान

अभिनेता ने बताया कि कुछ साल पहले जब वह अमेरिका गए थे, तो वहां एक बिजनेसमैन के माध्यम से उनकी मुलाकात जेम्स कैमरून से हुई थी। गोविंदा ने कहा, उसने मुझसे जेम्स के साथ एक फिल्म करने का प्रस्ताव रखा, इसलिए मैंने उन्हें इस पर चर्चा करने के लिए डिनर पर आमंत्रित किया। मैंने फिल्म का नाम अवतार रखा है। उन्होंने आगे कहा, जेम्स ने मुझे बताया कि फिल्म का हीरो दिव्यांग है, इसलिए मैंने कहा कि मैं यह फिल्म नहीं करूंगा। उसने मुझे इसके लिए 18 करोड़ रुपये ऑफर किए थे और कहा कि मुझे 410 दिनों तक शूटिंग करनी होगी। मैंने कहा कि ठीक है, लेकिन अगर मैं अपने शरीर पर पेंट लगाऊंगा तो मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ेगा।

43 साल बाद बड़े पर्दे पर आ रही नदिया के पार

1982 की भोजपुरी क्लासिक नदिया के पार 43 साल बाद बड़े पर्दे पर वापस आ रही है। बिहार के युवाओं को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के लिए इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग की जा रही है। 1982 की क्लासिक फिल्म नदिया के पार, जिसने भोजपुरी भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी, 43 साल बाद बड़े पर्दे पर वापस आ रही है। पटना में इसकी एक स्पेशल स्क्रीनिंग होगी, जिसका मकसद बिहार के युवाओं को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से फिर से जोड़ना है। राजश्री प्रोडक्शंस की यह मशहूर फिल्म एक राज्य-समर्थित पहल के तहत दिखाई जाएगी,जो परंपरा, सामाजिक मूल्यों और लोक विरासत पर आधारित सिनेमा का जश्न मनाती है।

कहां होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

बिहार स्टेट फिल्म डेवलपमेंट एंड फाइनेंस कॉर्पोरेशन के वीकली प्रोग्राम कॉफी विद फिल्म के तहत गांधी मैदान स्थित रीजेंट सिनेमा कैंपस के हाउस ऑफ वैरायटी में नदिया के पार की स्पेशल स्क्रीनिंग हो रही है। बिहार सरकार के कला, संस्कृति और युवा विभाग द्वारा आयोजित यह पहल नियमित रूप से ऐसी फिल्में दिखाती है जो बिहार की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती हैं, और इसके बाद युवा दर्शकों को जोड़ने के लिए चर्चा भी होती है।

उस साल की बड़ी हिट थी फिल्म

राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित और गोविंद मूनिस द्वारा निर्देशित, नदिया के पार 1982 में रिलीज होने पर एक बहुत बड़ी हिट थी। उस समय, राजश्री भारतीय मूल्यों पर आधारित कम बजट की पारिवारिक फिल्में बनाने के लिए जानी जाती थी और यह फिल्म अपनी सादगी, भावनात्मक गहराई के लिए सबसे अलग थी। सालों से, इसे एक आइकॉनिक दर्जा मिला है, खासकर इसलिए क्योंकि इसकी कहानी ने सूरज बड़जात्या की ब्लॉकबस्टर हम आपके हैं कौन को प्रेरित किया,जो अब तक की सबसे सफल हिंदी फिल्मों में से एक है।

कलाकारों को दिलाई पहचान

इस फिल्म ने कई अहम कलाकारों के करियर में भी एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनाया। लीड एक्टर सचिन पिलगांवकर बाद में हिंदी और रीजनल सिनेमा में एक वर्सेटाइल और सम्मानित कलाकार के तौर पर मशहूर हुए। कंपोजर रवींद्र जैन के दिल को छू लेने वाले संगीत ने फिल्म की लंबे समय तक चलने वाली लोकप्रियता में अहम भूमिका निभाई, जिससे बाद में राज कपूर के साथ राम तेरी गंगा मैली में उनके कोलेबोरेशन का रास्ता खुला। कौन दिसा में लेके चला रे बटोहिया जैसे गाने आज भी कई पीढ़ियों के दर्शकों को पसंद आते हैं।

6 साल बाद वापसी कर रही एक्ट्रेस

एक दशक बाद अनीस बाजमी ने थामा हाथ

विद्या बालन ने लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूरी बना रखी है। उन्हें आखिरी बार भूल भुलैया 3 में देखा गया था। इसके बाद से ही एक्ट्रेस के फैन्स लंबे समय से उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

वहीं अब खबर आ रही है कि विद्या बालन के हाथों एक बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। अनीस बाजमी उन्हें अपनी अपकमिंग फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। हालांकि फिल्म का टाइटल अभी तक तय नहीं किया गया है।

14 साल बाद अनीस बाजमी के साथ आएंगे नजर

इस फिल्म में विद्या बालन के अपोजिट अक्षय कुमार को कास्ट किया जाएगा। इस तरह साल 2011 के बाद से अनीस और अक्षय की जोड़ी 14 साल बाद साथ आ रही है। दोनों ने इससे पहले थैंक्यू में साथ काम किया था। विद्या बालन से जुड़े एक सूत्र ने जानकारी दी कि विद्या बालन ने इसके लिए साइन कर लिया है। उसने कहा, ÷अक्षय और विद्या एक अभिनेता के तौर पर बहुत अच्छी केमिस्ट्री शेयर करते हैं,जैसा कि पहले हेय बेबी (2007), भूल भुलैया (2007) और मिशन मंगल जैसी फिल्मों में देखा जा चुका है। ऑफ स्क्रीन भी उनके बीच अच्छे संबंध हैं।

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्में

यही कारण है कि जब विद्या का नाम सामने आया तो टीम में सभी ने तुरंत हां कह दी। कहानी में दो महिला कलाकार होंगी और उनमें से एक विद्या होंगी। अक्षय और विद्या मिशन मंगल के छह साल बाद एक साथ नजर आएंगे। इस समय अक्षय कुमार के पास पहले ही तीन फिल्में हैं जिनमें वेलकम टू जंगल, भूत बंगला और हैवान शामिल हैं।

कौन है लुल्ली डकैत? रहमान डकैत से ज्यादा था खूंखार

धुरंधर का हर किरदार इस वक्त सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। चाहे किसी ने बड़ा किरदार निभाया हो या छोटा, लेकिन अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों के दिलों में एक जगह बना ली है। आज हम एक ऐसे ही किरदार के बारे में जानेंगे जिसने छोटा किरदार निभाया लेकिन फिर भी वह उस सीन में रणवीर सिंह पर भारी पड़ गया। 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही %धुरंधर% चर्चा में है। फिल्म में हर एक्टर की परफॉर्मेंस को सभी तरफ से प्यार और तारीफ मिल रही है। फिल्म को लेकर चल रही सारी चर्चा के बीच, रणवीर सिंह के साथ काम करने वाले एक एक्टर का पोस्ट इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। उन्होंने आदित्य धर की डायरेक्ट की हुई इस फिल्म में लुल्ली डकैत का रोल निभाया है। आइए उनके और उनके पोस्ट के बारे में और जानते हैं।

रणवीर सिंह पर डाली थी बुरी नजर

धुरंधर में जब रणवीर सिंह ल्यारी की गलियों में जाता है और उन्हें देखकर लुल्ली का मन ललचा जाता है और वह उन्हें गंदी नजरों से देखता है। इसके बाद वह अपनी गैंग के साथ रणवीर को छेड़ने की कोशिश करता है और जब रणवीर उसका विरोध करते हैं तो वह उन्हें लहूलुहान कर देता है। इसके बाद जब रहमान डकैत के बेटे पर हमला होता है उस दौरान गोलीबारी में उसकी हत्या हो जाती है। नसीम का किरदार काफी छोटा होता है लेकिन इसके बावजूद वह अपनी छाप छोड़ने में कामयाब होते हैं।

धुरंधर के लुल्ली डकैत कौन हैं?

अभिनेता नसीम मुगल ने धुरंधर में बाबू डकैत के गुर्गे लूली डकैत की भूमिका निभाई है। उनका किरदार गोलीबारी के दौरान मारा जाता है जिसमें रहमान डकैत (अक्षय खन्ना के किरदार) के बड़े बेटे की भी हत्या हो जाती है। इससे पहले एक्टर गन्स एंड गुलाब्स (2023) और चेकमेट (2024) जैसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रह चुके हैं।

नसीम मुगल का रणवीर सिंह के लिए पोस्ट

थिएटर में धुरंधर की रिलीज के बाद नसीम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लीड एक्टर रणवीर सिंह के लिए एक तारीफ वाला पोस्ट शेयर किया। सिंह के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए नसीम ने लिखा, रणवीर सिंह इस दुनिया में कोई भी आपकी तरह एनर्जी कैरी नहीं करता। आप सिर्फ परफॉर्म नहीं करते, आप स्क्रीन पर आग लगा देते हैं। आपकी हर हरकत, हर एक्सप्रेशन, आप जो भी पल बनाते हैं, वह इलेक्ट्रिक होता है सर।

खेल समाचार

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

सूर्या कप्तान,ईशान की वापसी; शुभमन बाहर,अगरकर बोले- गिल रन नहीं बना पा रहे...

मुंबई,20 दिसम्बर 2025। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। मुंबई के बीसीसीआई हेडक्वार्टर में शनिवार को सचिव देवजीत सैकिया ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी में स्क्वॉड की घोषणा की।

टीम में अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया गया है,जबकि शुभमन गिल को टीम से बाहर कर दिया गया है। विकेटकीपर संजू सैमसन को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। इसके अलावा ईशान किशन और रिंकू सिंह को भी टीम में मौका मिला है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने कहा...गिल इस समय रन नहीं बना पा रहे हैं। वह पिछले वर्ल्ड कप में भी नहीं खेले थे। हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं, शायद अभी थोड़े रन कम बना रहे हैं, उन्हें पिछले वर्ल्ड कप में भी मौका नहीं मिला था, यह दुर्भाग्यपूर्ण था।वहीं, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गिल का चयन न होने पर कहा...गिल को खराब फॉर्म की वजह से ड्रॉप नहीं किया गया गया है। ऐसा टीम कॉम्बिनेशन की वजह से हुआ है,

हम टॉप ऑर्डर में एक विकेटकीपर चाहते थे। उनकी काबिलियत पर कोई शक की बात नहीं है, वो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। टीम को रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर की भी जरूरत थी।

यह टीम वर्ल्डकप से पहले 21 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड मैच से होगी। इसी दिन भारत वानखेड़े स्टेडियम में अपना पहला मैच खेलेगा। फाइनल 8 मार्च 2026 को खेला जाएगा। इसका वेन्यू बाद में तय होगा।

भारतीय टीम सिलेक्शन की खास बातें...

भारतीय टीम से 7 प्लेयर्स पहली बार टी-20 वर्ल्डकप खेलेंगे। जबकि 8 प्लेयर्स ऐसे हैं, जो टी-20 वर्ल्डकप खेल चुके हैं। सिलेक्टर्स ने शुभमन गिल को स्क्वॉड में जगह नहीं दी,जो सबसे बड़ा फैसला माना जा रहा है। वे आउट ऑफ फॉर्म हैं।अक्षर पटेल को नया उपकप्तान बनाया गया है। यह पहली बार है, जब अक्षर को वर्ल्ड कप में इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी के लिए संजू सैमसन और ईशान किशन दोनों को टीम में शामिल किया गया है। रिंकू सिंह की टीम में वापसी हुई है, जो मिडिल ऑर्डर और फिनिशर के तौर पर अहम भूमिका निभा सकते हैं।

गिल 18 पारियों से फिफ्टी नहीं लगा सके

गिल को जब टीम का उपकप्तान बनाया गया, तब उन्हें प्लेइंग-इलेवन में संजू सैमसन की जगह मौका मिला। हालांकि वे 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके हैं। इस दौरान उन्होंने 135.12 के स्ट्राइक रेट से कुल 377 रन बनाए। वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 आई में पैर की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे।

किसने क्या कहा..?

सूर्यकुमार ने टीम सिलेक्शन पर कहा- टीम के अंदर फ्लेक्सिबिलिटी लाने के लिए कई ऑप्शंस रखने जरूरी थे। इसलिए हमने इस स्क्वॉड का सिलेक्शन किया है। मौजूदा हालात में हमें टॉप ऑर्डर में विकेटकीपर के साथ खेलना जरूरी लगा, ताकि हमारे पास दो-तीन ऐसे कॉम्बिनेशन हों, जो हमें वर्ल्ड कप जिताने में मदद कर सकें।

अजित अगरकर ने ईशान किशन के सिलेक्शन पर कहा-आपकी राय मेरी राय से अलग हो सकती है। कभी-कभी जब आप खिलाड़ियों को चुनते हैं, तो यह मुश्किल होता है। हम अब भी सोचते हैं कि वह एक क्वालिटी प्लेयर हैं। ईशान 753 दिन बाद टी-20 टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी मैच गुवाहाटी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नवंबर 2023 में खेला था। ईशान ने मुश्ताक अली ट्रॉफी में 2 शतक सहित 517 रन बनाए हैं।

अजित ने गिल की फॉर्म पर कहा...फॉर्म में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन यह ज्यादातर इस बात पर निर्भर करता है कि आप उन्हें किस कॉम्बिनेशन में खिलाना चाहते हैं। किसी न किसी को तो बाहर बैठना ही पड़ता है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह अच्छा खिलाड़ी नहीं है।

भारत के मैचों का शेड्यूल

भारत अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को मुंबई में यूएई के खिलाफ करेगा। उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया से दिल्ली, 15 फरवरी को पाकिस्तान से कोलंबो और 18 फरवरी को नीदरलैंड से अहमदाबाद में मैच होंगे।

पाकिस्तान समेत 4 टीमों से होगा भारत का मैच

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को आसान ग्रुप मिला है। टीम को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, यूएई नामीबिया और नीदरलैंड के साथ रखा गया है। टीम इंडिया का पाकिस्तान के खिलाफ हालिया रिकॉर्ड भी मजबूत रहा है। भारत ने एशिया कप में पाकिस्तान को तीन बार हराया है और इसके अलावा वनडे में चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे मात दी थी।

पुणे ग्रैंड टूर ट्रॉफी जयपुर पहुंची

जयपुर,20 दिसम्बर 2025। भारत में प्रोफेशनल साइकिलिंग में बढ़ती ताकत का प्रतीक ,बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 की ट्रॉफी का शनिवार को जयपुर में एक शानदार समारोह में अनावरण किया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और पुणे जिले के कलेक्टर जितेंद्र डूडी मौजूद थे,जो इस रोड रेस के मेज़बान शहर हैं, एक रिलीज़ में यह बताया गया। एक रिलीज़ के अनुसार, इस मौके पर गणमान्य व्यक्तियों में राजस्थान के संसद सदस्य मदन राठौड़;राजस्थान खेल सचिव नीरज के. पवन,साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन ओंकार सिंह; कमिश्नर; और राजस्थान साइकिलिंग एसोसिएशन की चयन समिति की चेयरपर्सन सारिका चौधरी भी शामिल थीं। महाराष्ट्र सरकार के मज़बूत समर्थन से जितेंद्र डूडी के नेतृत्व में पुणे जिला प्रशासन द्वारा आयोजित, बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 भारत का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय साइकिलिंग इवेंट है-यह पहली बार यूसीआई-2.2 क्लासिफाइड रोड रेस है-जो दुनिया भर के बेहतरीन साइकिलिस्टों को भारतीय धरती पर मुकाबला करने के लिए आकर्षित करता है।

वृत्ति ने इंटर-यूनिवर्सिटी मीट में गोल्ड जीता

पंजाब,20 दिसम्बर 2025। उस्मानिया यूनिवर्सिटी की वृत्ति अग्रवाल ने यहां एसआरएम यूनिवर्सिटी में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी स्विमिंग और डाइविंग चैंपियनशिप 2025-26 में महिलाओं की 1500 एम फ्रीस्टाइल में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। सेंट फ्रांसिस कॉलेज फॉर विमेन का प्रतिनिधित्व करते हुए, वृत्ति ने 18ः01.04 का प्रभावशाली समय निकाला। विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी की शिरीन ने सिल्वर (18:01.04) जीता, जबकि जैन यूनिवर्सिटी की अश्मिता चंद्रा ने ब्रॉन्ज (18:24.11) हासिल किया।

नई आवाज़ के साथ एसजी पाइपर्स की वापसी,टीम रांची में इकट्ठा हुई

रांची,20 दिसम्बर 2025। एसजी पाइपर्स की महिला टीम रांची में नए जोश के साथ मैदान में उतर गई है, क्योंकि हॉकी इंडिया लीग 2025-26 के लिए काउंटडाउन शुरू हो गया है,जो एसजी पाइपर्स की एक रिलीज़ के अनुसार 28 दिसंबर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक चलेगा। स्टिक नीचे रखकर और फोकस तेज करके, टीम का आना एक अहम पड़ाव की शुरुआत है, जो एक तेज़ और हाई-स्टेक टूर्नामेंट होने वाला है। टीम को नई दिशा देने के लिए हेड कोच सोफी गर्ट्स टीम में शामिल हुई हैं, जो सीज़न से पहले रांची में टीम के साथ जुड़ी हैं, और उन्हें भारतीय हॉकी की दिग्गज और पूर्व भारतीय कप्तान हेलेन मैरी का पूरा सपोर्ट मिल रहा है। उनके आने से ऐसे समय में क्लैरिटी और स्ट्रक्चर आया है, जब मार्जिन कम होंगे और मोमेंटम निर्णायक होगा। पाइपर्स टीम लीग में हाल ही की मजबूत इंटरनेशनल फॉर्म के साथ आई है। टीम की कमान कप्तान नवनीत कौर संभाल रही हैं, जिन्होंने 2025 में 200 इंटरनेशनल कैप का मील का पत्थर पार किया, जिससे वह भारतीय हॉकी की सबसे अनुभवी अटैकर में से एक के रूप में अपनी जगह मजबूत कर रही हैं। पिछले एक साल में, नवनीत हाई-प्रेशर मैचों में भारत के लिए लगातार मौजूद रही हैं, फॉरवर्ड लाइन को आगे बढ़ा रही हैं और अटैकिंग सर्कल में प्रतिस्पर्धी माहौल बना रही हैं। पीछे, उदिता अपने करियर के सबसे मजबूत सीज़न में से एक के बाद डिफेंस को संभाल रही हैं। महिला एशिया कप 2025 में प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुनी गईं उदिता ने डिफेंसिव अथॉरिटी को अटैकिंग इम्पैक्ट के साथ जोड़ा, टॉप टीमों के खिलाफ अहम डिफेंसिव जिम्मेदारियों को संभालते हुए पेनल्टी कॉर्नर से तीन गोल किए। टीम में इंटरनेशनल अनुभव और विविधता है, जिसमें कई हॉकी खेलने वाले देशों के खिलाड़ी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर की केरल में मौत

बांग्लादेशी समझकर पीटा, शरीर पर गंभीर चोट के निशान,5 आरोपी गिरफ्तार

सक्ती,20 दिसम्बर 2025। केरल के पल्लकड़ जिले में छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के प्रवासी मजदूर रामनारायण बघेल (31) की बांग्लादेशी समझकर मारपीट से मौत हो गई। रामनारायण करही गांव के रहने वाले थे तथा लगभग एक सप्ताह पूर्व मजदूरी के लिए केरल गए थे। केरल पुलिस ने आधार कार्ड से पहचान कर सक्ती पुलिस को 17 दिसंबर को मौत की सूचना दी। घटना वालैयार थाना क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों ने रामनारायण को बांग्लादेशी समझकर 17 दिसंबर दोपहर 3 से 4 बजे के बीच घेरकर मुक्कों एवं लातों से मारपीट की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिटाई से ही उनकी मौत हुई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। केरल पुलिस के अनुसार मजदूर के शरीर पर गंभीर चोट के निशान थे तथा छाती से खून बह रहा था। दर्द एवं चोटों से मौत हुई। वालैयार थाने में अपराध क्रमांक 975/2025 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ एवं सभी पहलुओं की जांच जारी है। मृतक के परिजनों ने केरल सरकार एवं पुलिस प्रशासन से तत्काल मुआवजा, दोषियों को कड़ी सजा तथा शव को पैतृक गांव पहुंचाने की मांग की है। कुछ परिजन कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव लाने के लिए घटनास्थल रवाना हो गए हैं।

हथबंध-बैकुंठ के मध्य चौथी रेल लाइन को रेलवे बोर्ड की मंजूरी

बिलासपुर,20 दिसम्बर 2025। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में हथबंध एवं बैकुंठ स्टेशनों के मध्य 17.24 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन बिछाने के प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड की मंजूरी प्राप्त हो गई है। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 274 करोड़ है। यह रेलखंड बिलासपुर-रायपुर-नागपुर मुख्य मार्ग का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो मुंबई-हावड़ा उच्च घनत्व (हाई डेंसिटी नेटवर्क) मार्ग के अंतर्गत आता है। वर्तमान में इस खंड पर ट्रैफिक दबाव अत्यधिक है,जहाँ लाइन क्षमता उपयोग लगभग 158 प्रतिशत तक पहुँच चुका है और आगामी वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावना है। चौथी रेल लाइन के निर्माण से इस खंड पर यात्री ट्रेन एवं मालगाड़ियों के परिचालन में उल्लेखनीय सुधार, ट्रेन संचालन की समयबद्धता में वृद्धि तथा क्षमता विस्तार संभव हो सकेगा। यह परियोजना विशेष रूप से ऊर्जा, खनिज, सीमेंट एवं औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े माल परिवहन को गति प्रदान करेगी। परियोजना की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) को परियोजना मूल्यांकन समिति द्वारा अनुशंसित किया गया है तथा इसे रेलवे बोर्ड के संबंधित विभागों द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है। यह परियोजना क्षेत्र के आर्थिक विकास,औद्योगिक विस्तार एवं रोजगार सृजन में सहायक सिद्ध होगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इस महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन हेतु आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है।

पीएनबी एटीएम बूथ में लूट

गमछा बांधकर पहुंचा था बदमाश

जांजगीर-चांपा,20 दिसम्बर 2025। जिले में पीएनबी एटीएम में बैंक कर्मचारियों से लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। एटीएम में नकदी डालने गई दो महिला कर्मचारियों से नकाबपोश बदमाश ने बचे हुए कैश (50 हजार रुपये) लूट लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार,यह पूरा मामला अकलतरा थाना क्षेत्र के मिनी माता चौंक के पीएनबी एटीएम का है। दोनों महिला कर्मचारी आज दोपहर 12 बजे 8 लाख, 50 हजार रुपये लेकर एटीएम में कैश डालने पहुंची थीं। महिला कर्मचारियों ने 7 लाख 50 हजार रुपये एटीएम में डालकर मशीन को लॉक कर दिया था। इसी दौरान मुंह में गमछा बांधे एक अज्ञात आरोपी ने एटीएम बूथ में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने महिला कर्मचारियों की आंखों में स्प्रे डालकर उनसे 50 हजार रुपये लूट लिए और मौके से फरार हो गया। फिलहाल इस मामले में पुलिस अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

सड़कों पर बर्थडे सेलिब्रेशन और स्टंटबाजी पर बड़ा एक्शन,66 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर,20 दिसम्बर 2025। सार्वजनिक सड़कों पर बर्थडे मनाने, केक काटकर यातायात बाधित करने और स्टंटबाजी जैसी खतरनाक गतिविधियों के खिलाफ रायपुर पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। रायपुर पुलिस द्वारा पिछले 11 महीनों में चलाए गए विशेष अभियान के तहत 12 प्रकरणों में कुल 66 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, वहीं 30 वाहन चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कराया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को सड़क सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सार्वजनिक सड़कों पर बर्थडे सेलिब्रेशन कर यातायात बाधित करने के 8 प्रकरण दर्ज किए गए। इन मामलों में 46 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है और 11 चारपहिया तथा दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं।

दवा-कारोबारी के घर से 50 लाख की नकली दवाइयां जब्त,बेटे के मोबाइल फोटो से खुला राज

रायपुर,20 दिसम्बर 2025। राजधानी से करीब 200 किलोमीटर दूर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में नकली दवाओं के बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। खाद्य एवं औषधि प्रशासनकी दोबारा कार्रवाई में सरस्वती मेडिकल स्टोर के संचालक के घर पर छापा मार कार्यवाही किया गया जहां से करीब 50 लाख रुपए के आसपास दवाइयां जप्त की गई है। जिसकी मात्रा करीब 200 कार्टून है जिसे ट्रक में भर कर ले जाया गया। एक दवा कारोबारी के घर से 50 लाख रुपए से ज्यादा की नकली एलोपैथिक और आयुर्वेदिक दवाइयां बरामद की गई हैं।

मुख्यमंत्री साय वीर बाल रैली में हुए शामिल...हरी झंडी दिखाकर किया रैली का शुभारंभ

बलिदान और कर्तव्य के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को परिचित कराना हमारा नैतिक दायित्व : सीएम साय

रायपुर,20 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित वीर बाल रैली में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस भव्य रैली में लगभग 5,000 से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं, स्काउट-गाइड एवं एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। रैली में सिख परंपरा की वीरता को दर्शाती गतका जैसी साहसिक गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं प्रेरणादायी झांकियों ने उपस्थित जनसमूह को गहरे भावनात्मक स्तर पर जोड़ा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में हम दशम गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों – बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी – के अद्वितीय बलिदान को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल 9 वर्ष और 7 वर्ष की अल्पायु में साहिबजादों ने जिस अदम्य साहस, आस्था और बलिदान का परिचय दिया, वह मानव इतिहास में अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी छोटी उम्र में भी साहिबजादे किसी दबाव के आगे नहीं झुके, अपनी आस्था से विचलित नहीं हुए और धर्म एवं सत्य की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। यह बलिदान केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। साय ने कहा कि सिख धर्म की यह गौरवशाली परंपरा हम सभी के लिए गर्व का विषय है। नई पीढ़ी को साहिबजादों के बलिदान और मूल्यों से परिचित कराना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2022 से वीर बाल दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे बच्चों और युवाओं में शौर्य, साहस और राष्ट्रप्रेम की भावना प्रबल हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम साहिबजादों के जीवन को देखते हैं, तो हमें दशम गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा दिए गए संस्कारों और शिक्षाओं पर गर्व होता है। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना कर अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग दिखाया। उनकी प्रेरक पंक्तियाँ 'सवा लाख से एक लड़ाऊँ, चिड़ियन ते मैं बाज लड़ाऊँ, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहलाऊँ।' आज भी हर भारतीय के भीतर साहस और संघर्ष की चेतना जागृत करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंक्तियाँ हमें सिखाती हैं कि साधन नहीं, साहस और संकल्प ही विजय का मार्ग प्रशस्त करते हैं। भारत की धरती धन्य है, जिसने ऐसे महान गुरुओं और साहिबजादों को जन्म दिया। उन्होंने इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग एवं शिक्षा विभाग को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। कैबिनेट मंत्री खुशवंत साहेब ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान हमें निर्भीकता, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रथम की भावना का मार्ग दिखाता है। उनका जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने साहिबजादों की शहादत के ऐतिहासिक प्रसंगों से उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया। इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी,सीजीएमएससी अध्यक्ष दीपक म्हस्के,छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा सहित सिख समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधि,समाजसेवी एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कांग्रेस सांसद ने राज्य और केंद्र सरकार पर साधा निशाना

शशिकांत सेंथिल ने कहा-नेशनल हेराल्ड केस बेशर्मी भरा हौवा साबित हुआ,यह सोची-समझी साजिश

रायपुर,20 दिसम्बर 2025। केंद्र की नीतियों और कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा न तो मजबूत विपक्ष चाहती है और न ही स्वस्थ लोकतंत्र। उसका लक्ष्य कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों को राजनीतिक रूप से समाप्त करना है। नेशनल हेराल्ड मामला इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जहां जांच एजेंसियों का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया गया। रायपुर स्थित राजीव भवन में आयोजित कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शशिकांत सेंथिल ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मंत्री शिव डहरिया, पूर्व मंत्री प्रेम साय सिंह टेकाम समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बता दे कि शशिकांत सेंथिल तमिलनाडु से सांसद है। सेंथिल ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में अदालत द्वारा उठाए गए सवालों से यह स्पष्ट हुआ कि बिना किसी ठोस अपराध के आरोप लगाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि एक निजी शिकायत के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई की गई और बिना प्रत्यक्ष आपराधिक लेन-देन के पीएमएलए जैसे कठोर कानून का इस्तेमाल किया गया।

नेशनल हेराल्ड केस में केंद्र सरकार पर साधा निशाना

सेंथिल ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कोर्ट के फैसले से मोदी–शाह की बदले की राजनीति बेनकाब हो गई है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी को टारगेट करने के लिए ईडी और सीबीआई का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। कोर्ट ने साफ माना है कि इस मामले में कोई मूल अपराध नहीं था। ईडी की कार्रवाई कानून के खिलाफ और राजनीतिक बदले से प्रेरित थी। सात साल तक एफआईआर न होने के बावजूद अचानक 2021 में मामला दर्ज करना एजेंसियों के दुरुपयोग का उदाहरण है। सेंथिल ने कहा कि, 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाने के बाद भाजपा सरकार ने झूठ, प्रोपेगेंडा और एजेंसियों के सहारे विपक्ष को दबाने की कोशिश की, लेकिन सच की जीत हुई है। पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की।

स्कूल में 25 लड़कियां हुई बेहोश मास हिस्टीरिया की आशंका

खैरागढ़,20 दिसम्बर 2025। जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला खैरबना इन दिनों एक अजीब और चिंताजनक घटनाक्रम को लेकर सुर्खियों में है। बीते लगभग 15 दिनों से स्कूल पहुंचते ही छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ रही है। चक्कर,घबराहट और बेहोशी की शिकायत के चलते अब तक 20 से 25 छात्राएं प्रभावित हो चुकी हैं जिससे अभिभावकों से लेकर प्रशासन तक में चिंता का माहौल है। सबसे हैरानी की बात यह सामने आई है कि जिन छात्राओं ने कुछ दिनों के लिए स्कूल आना बंद कर दिया उनकी तबीयत पूरी तरह सामान्य बनी रही लेकिन जैसे ही वे दोबारा स्कूल परिसर में प्रवेश करती हैं उन्हें घबराहट, चक्कर और बेहोशी जैसे लक्षण महसूस होने लगते हैं। इस अजीब और रहस्यमयी संयोग ने ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की आशंकाओं को जन्म दे दिया है. छात्राओं की बिगड़ती तबीयत को देखते कई दिनों तक मेडिकल कैंप लगाया. प्रभावित छात्राओं के ब्लड सैंपल, बीपी और शुगर की जांच कराई गई लेकिन सभी रिपोर्ट्स सामान्य पाई गई. मेडिकल कारण सामने न आने से यह मामला अब डॉक्टरों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है. स्वास्थ्य विभाग के प्रारंभिक आकलन हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्कूल में में डॉक्टरों ने इसे मास हिस्टीरिया (सामूहिक मानसिक प्रभाव) का संभावित मामला बताया है। जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल ने मामले में कहा है कि कई बार किसी डर, तनाव या घटना के बाद बच्चे एक-दूसरे को देखकर समान लक्षण महसूस करने लगते हैं। स्कूल जैसे वातावरण में यह स्थिति तेजी से फैल सकती है।

छत्तीसगढ़ में सभी राप्रसे अधिकारियों से सरकार ने मांगा संपत्ति का ब्यौरा,पत्नी और बच्चों की संपति की भी देनी होगी जानकारी

रायपुर,20 दिसम्बर 2025। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य प्रशासनिक सेवा के सभी अधिकारियों से संपत्ति का विवरण मांगा है। इन सभी अधिकारियों को 31 जनवरी तक जीएडी के स्पैरो पोर्टल में यह विवरण देना अनिवार्य होगा। इसमें पत्नी/पति,बच्चों के नाम की संपत्ति की भी जानकारी देनी होगी। जीएडी सचिव अविनाश चंपावत ने सभी राप्रसे अधिकारियों को इस संबंध में एक पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 19 (1) के तहत् अचल संपत्ति का वार्षिक विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसमें इस वर्ष 1 जनवरी से 31 दिसंबर तक की अवधि में धारित वार्षिक अचल संपत्ति का विवरण नियत समयावधि 31 जनवरी 26 तक इस विभाग में ऑनलाईन SPAR-ROW Portal 'epar.cg.gov.in' के माध्यम से अनिवार्यतः प्रस्तुत की जाय। इसके बाद सबमिशन लिंक बंद हो जाने की स्थिति में निर्धारित समयावधि पश्चात् अचल संपत्ति विवरण विभाग द्वारा स्वीकार नहीं किये जाएंगे जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगें।

हाईकोर्ट ने कहा-करंट का जाल वन्यजीवों के अलावा इंसानी जान के लिए भी खतरा,बाघ और तेंदुए के शिकार को लेकर जताई नाराजगी

बिलासपुर,20 दिसम्बर 2025। प्रदेश के जंगलों में करंट से बाघ और तेंदुए के शिकार की घटना पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट ने कहा कि इलेक्ट्रिक ट्रैप सिर्फ वन्यजीवों के लिए नहीं बल्कि इंसानी जान के लिए भी खतरा है। इस मामले में पीसीसीएफ (वाइल्डलाइफ) से अदालत ने व्यक्तिगत शपथपत्र मांगा गया है। शिकारियों द्वारा करंट लगाकर वन्यजीवों के शिकार को न सिर्फ क्रूर बल्कि आम नागरिकों के लिए भी जानलेवा बताते हुए हाईकोर्ट ने वन विभाग को कठघरे में खड़ा किया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और विभुदत्त गुरु के डिवीजन बेंच ने इस गंभीर मसले पर सुनवाई करते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक से व्यक्तिगत शपथपत्र तलब किया है।

वन विभाग ने क्या बताया..: इस मौके पर हाईकोर्ट को बताया गया कि 15 दिसंबर 2025 को सूरजपुर वन मंडल के धोंधा गांव के पास एक नर बाघ का शव मिला। सूचना मिलते ही वन विभाग ने क्षेत्र को सील किया, डॉग स्क्वॉड तैनात किया और जांच शुरू की। जांच के दौरान ईश्वर कुजूर के घर से बाघ के नाखून, बाल और मांस बरामद किया गया। मुख्य आरोपी सिस्का कुजूर को भी गिरफ्तार किया गया है। मामले में पीओआर क्रमांक 701/03 दर्ज किया गया। एक अन्य मामले में 14 दिसंबर 2025 को खैरागढ़-डोंगरगढ़ क्षेत्र के बनबोड़ गांव के जंगल में एक मादा तेंदुए की बेरहमी से हत्या की गई। शव से चारों पंजे काट लिए गए थे और मुंह को क्षत-विक्षत कर दिया गया था। जांच में कुल 7 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनके पास से कुल्हाड़ी, इलेक्ट्रिक वायर, एयर गन, तेंदुए के पंजे और दांत बरामद किए गए। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

हाईकोर्ट ने कहा- यह बेहद गंभीर मामला

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, वन्यजीवों के शिकार में बिजली का इस्तेमाल न केवल जानवरों के लिए घातक है, बल्कि यह आम नागरिकों के लिए भी गंभीर खतरा है। कोई भी व्यक्ति अनजाने में ऐसे जाल की चपेट में आ सकता है। कोर्ट ने इसे सार्वजनिक सुरक्षा का गंभीर मुद्दा बताते हुए व्यापक और समन्वित कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया।

व्यक्तिगत शपथपत्र में देना होगा जवाब

हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि पीसीसीएफ (वाइल्डलाइफ) अपने व्यक्तिगत शपथपत्र में यह स्पष्ट करें कि, करंट से शिकार रोकने के लिए अब तक क्या ठोस कदम उठाए गए, आगे कौन–से प्रभावी उपाय किए जाएंगे। वन विभाग, पुलिस, बिजली कंपनी और जिला प्रशासन के बीच समन्वय की क्या व्यवस्था है। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कैसे की जा रही है। लापरवाह अधिकारियों की जिम्मेदारी कैसे तय होगी। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि, वन्यजीवों की सुरक्षा और मानव जीवन की रक्षा के लिए प्रभावी, स्थायी और निवारक कदम उठाना अनिवार्य है।

गांधी जी की तस्वीर कचरे में मिलने से सियासी बवाल...भाजपा ने कहा-फोटो उठाकर कार्यालय में लगाया,इधर कांग्रेस ने बताया साजिश

मुंगेली,20 दिसम्बर 2025। नेशनल हेराल्ड प्रकरण को लेकर देशभर में जारी राजनीतिक विवाद के बीच छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले से एक नया मामला सामने आया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा कार्यालय के घेराव के बाद ऐसा घटनाक्रम सामने आया है, जिसने स्थानीय राजनीति में हलचल मचा दी है। जानकारी के अनुसार, नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुंगेली में भाजपा कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र सरकार और प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता वहां से लौट गए। इसी बीच आरोप लगाया गया कि प्रदर्शन समाप्त होने के बाद महात्मा गांधी की एक तस्वीर भाजपा कार्यालय के पास नाली के समीप कचरे में पड़ी मिली। इस घटना के सामने आते ही मामला तूल पकड़ने लगा और राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अपमान का गंभीर आरोप : भाजपा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अपमान का गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि गांधी जी की तस्वीर को नाली के पास कचरे में फेंकना देश की भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य है। भाजपा कार्यकर्ताओं का दावा है कि उन्होंने तस्वीर को वहां से उठाकर सम्मानपूर्वक भाजपा कार्यालय में स्थापित किया। भाजपा नेताओं ने इस पूरे घटनाक्रम को निंदनीय करार देते हुए कहा कि यह केवल एक तस्वीर का मामला नहीं है, बल्कि राष्ट्रपिता के सम्मान से जुड़ा गंभीर विषय है। पार्टी ने प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। भाजपा का कहना है कि इस तरह के कृत्य को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार : दूसरी ओर कांग्रेस ने भाजपा के सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी महात्मा गांधी के विचारों और सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है, ऐसे में गांधी जी के अपमान का सवाल ही पैदा नहीं होता। कांग्रेस ने इस पूरे मामले को भाजपा की सोची-समझी राजनीतिक साजिश बताया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि भाजपा इस मुद्दे को बेवजह तूल देकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने मांग की है कि सच्चाई सामने लाने के लिए भाजपा कार्यालय के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जाए।

लैब टेक्नीशियन ने मारा थप्पड़ नाराज सिम्स के जूनियर डॉक्टरों ने किया काम बंद हड़ताल...

बिलासपुर,20 दिसम्बर 2025। लैब टेक्नीशियन की बदसलूकी से नाराज छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में कार्यरत जूनियर डॉक्टर्स शनिवार सुबह से काम बंद हड़ताल पर चले गए. जानकारी के अनुसार,रेडियो विभाग में पदस्थ जूनियर डॉक्टर को लैब टेक्नीशियन मनीष कुमार सोनी ने थप्पड़ मार दिया था. इस घटना की शिकायत करने पर सिम्स प्रबंधन लैब टेक्नीशियन को मानसिक तौर पर बीमार करार दे दिया. जूनियर डॉक्टर लैब टेक्नीशियन के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाए सिम्स प्रबंधन पर काम पर वापस लौटने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)